आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 96 | उज्जैन, बुधवार 26 फरवरी 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

बेटे भाग्य से और बेटियां सौभाग्य से मिलती हैं-मुख्यमंत्री डॉ. यादव

आष्टा में हुआ सामूहिक विवाह कार्यक्रम, सामाजिक समरसता का आदर्श

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारे लिए यह सुखद अहसास है कि आज आष्टा की पावन धरा पर मुख्यमंत्री कन्या विवाहा और निकाह योजना के अंतर्गत सामूहिक विवाह कार्यक्रम में एक साथ 990 बेटियां दुल्हन बनी हैं। इनमें 792 जोड़े हिंदू और 198 जोड़े मुस्लिम रीति-रिवाज से परिणय सूत्र में बंधे हैं, यह सामाजिक समरसता का आदर्श उदाहरण है। शादी के बंधन में बंधने वाले 2 जोड़े कल्याणी विवाह योजना एवं 2 जोड़े निशक्त विवाह प्रोत्साहन योजना के थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव आष्टा सीहोर में सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री निवास, भोपाल से वर्चुअली शामिल हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने को आष्टा में हुए सामूहिक विवाह कार्यक्रम के आयोजकों को बधाई एवं विवाहित दंपतियों को शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में देश निरंतर प्रगति कर रहा है। राज्य सरकार भी सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मूलमंत्र के साथ प्रदेश को समृद्ध बनाने के लिए नीतियों का क्रियान्वयन कर रही है। प्रदेश में योजना के अंतर्गत 19 हजार से अधिक कन्याओं के विवाह संपन्न कराए गए, जिस पर लगभग 115 करोड़ रुपए का व्यय किया गया। प्रदेश में गरीब, बुजुर्ग, कल्याणी एवं दिव्यांगजनों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना से लाभान्वित किया जा रहा है। सामाजिक पेंशन योजना के अंतर्गत प्रति माह 337 करोड़ रुपए सिंगल क्लिक के माध्यम से वितरित किए गए हैं। प्रदेश में सरकारी नौकरियों में महिलाओं के लिए 35 प्रतिशत आरक्षण दिया जा रहा है। राज्य सरकार सभी पात्र हितग्राहियों को लाडली लक्ष्मी योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना और अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारतीय सनातन परंपरा में विवाह जन्म -जन्मान्तर तक चलने वाला पवित्र बंधन है। उन्होंने सामूहिक विवाह कार्यक्रम के माध्यम से गृहस्थ जीवन में प्रवेश करने वाले सभी दंपतियों को सुखमय जीवन की मंगलकामनाएं दीं।

दिल्ली से जयपुर का सफर सिर्फ 30 मिनट में! देश का पहला हाइपरलूप टेस्ट ट्रैक तैयार

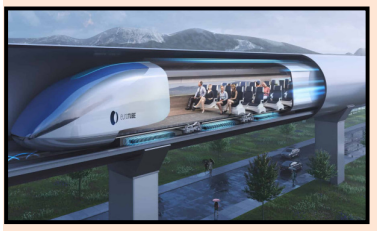

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पब्लिक ट्रांसपोर्ट सिस्टम में एक बड़ी क्रांति आने वाली है। देश की पहली हाइपरलूप टेस्ट ट्रैक पूरी तरह से तैयार है और इसका वीडियो खुद रेल मंत्रालय ने जारी कर ये साफ किया कि भारत हाई-स्पीड ट्रांसपोर्ट सिस्टम की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम आगे बढ़ा चुका है।

यह ट्रैक 422 मीटर लंबा है और इसे IIT मद्रास ने तैयार किया है। इस परियोजना को पूरा करने के लिए भारतीय रेलवे ने आईआईटी मद्रास को आर्थिक मदद प्रदान की है। हाइपरलूप एक ऐसी तकनीक है, जिसमें ट्रेन को एक खास ट्यूब में टॉप स्पीड पर चलाया जाता है। इस तकनीक की मदद से लोगों को बहुत तेज और सुरक्षित यात्रा का अनुभव होगा। ट्रायल सफल रहने के बाद यह तकनीक भारत के पब्लिक ट्रांसपोर्ट सिस्टम को पूरी तरह से बदल सकती है।

हाइपरलूप एक हाई-स्पीड ट्रांसपोर्ट सिस्टम है, जिसमें पॉड्स को वैक्यूम ट्यूब के भीतर चुंबकीय तकनीक पर चलाया जाता है। घर्षण और वायुगतिकीय दबाव नहीं होने के कारण होता पॉड्स 1100 किमी प्रति घंटे तक की रफ्तार पकड़ सकते हैं। इस प्रणाली में ऊर्जा खपत बेहद कम होती है और यह लगभग शून्य प्रदूषण पैदा करती है।

शशि थरूर ने पीयूष गोयल के साथ शेयर की फोटो, राजनीतिक गलियारे में तेज हुईं अटकलें

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस में चल रही दरार के बीच कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल के साथ एक फोटो पोस्ट की है। उनकी ये फोटो भारत-ब्रिटेन व्यापार समझौते पर चर्चा के बाद की है। पोस्ट में शशि थरूर पीयूष गोयल के साथ मुस्कुराते हुए दिख रहे हैं।

ब्रिटेन के व्यापार और व्यापार राज्य सचिव जोनाथन रेनॉल्ड्स के साथ उनके भारतीय समकक्ष, वाणिज्य और केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल की मौजूदगी में उन्हें बातचीत करके अच्छा लगा। लंबे समय से रुकी हुई एफटीए वार्ता फिर से शुरू हो गई है, जो स्वागत योग्य है।

उनकी इस पोस्ट ने सियासी गलियारों में हलचल तेज कर दी है। यह पोस्ट थरूर की तरफ से केरल की सत्तारूढ़ सीपीएम नीत वाम लोकतांत्रिक मोर्चा सरकार की नीतियों की तारीफ करने के बाद कांग्रेस और उनके बीच संबंधों में आई खटास के बाद आई है।

विजिलेंस विभाग ने AIADMK विधायक अम्मान अर्जुनन के घर और कार्यालय पर की छापेमारी, आय से अधिक संपत्ति का है मामला

नई दिल्ली (एजेंसी)। सतर्कता और भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय (डीवीएसी) ने मंगलवार को विपक्षी अन्नाद्रमुक के कोयंबटूर उत्तर विधायक अम्मान के. अर्जुनन के आवास और कार्यालय पर छापा मारा।

सुबह शुरू हुई छापेमारी उनके पिछले कार्यकाल के दौरान आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति अर्जित करने के आरोप में उनके खिलाफ दर्ज मामले पर आधारित है। सुरक्षा के लिए सशस्त्र पुलिस कर्मियों के साथ आठ डीवीएसी अधिकारियों की एक टीम उनके घर और कार्यालय का निरीक्षण करने पहुंची थी।

2021 में डीएमके के सत्ता संभालने के बाद पहली बार डीवीएसी ने एआईएडीएमके नेताओं के खिलाफ कार्रवाई की है।

इससे पहले, भ्रष्टाचार के अलग-अलग मामलों में राज्य के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सी. विजयभास्कर और पूर्व स्थानीय प्रशासन मंत्री एसपी वेलुमणि के आवास पर छापेमारी की गई थी।

भ्रष्टाचार का है मामला- भ्रष्टाचार से संबंधित एक शिकायत के बाद जांचकर्ताओं ने विजयभास्कर से जुड़े 13 स्थानों पर छापेमारी की। डीवीएसी ने 2018 में ग्रेटर चेन्नई कॉरपोरेशन (जीसीसी) द्वारा स्टॉर्मवॉटर ड्रेन (एसडब्ल्यूडी) और सड़क निर्माण निविदाएं देने में कथित भ्रष्टाचार के लिए पूर्व मंत्री और एआईएडीएमके विधायक एसपी वेलुमणि के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

2021 में द्रमुक सरकार के सत्ता में आने के बाद से राज्य की भ्रष्टाचार विरोधी एजेंसी द्वारा वेलुमणि के खिलाफ यह चौथी एफआईआर दर्ज की गई है। वेलुमणि, वर्तमान में अन्नाद्रमुक के संगठन सचिव हैं, उन्होंने 2014 से 2021 तक स्थानीय प्रशासन मंत्री के रूप में कार्य किया है।

उत्तराखंड में श्रमिकों की जान बचाने वाली टीम पहुंची तेलंगना...

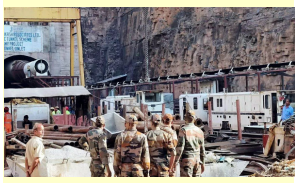

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना, एनडीआरएफ और अन्य एजेंसियों के काफी प्रयासों के बाद भी तेलंगाना के नगरकुरनूल जिले के श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल (एसएलबीसी) परियोजना की निर्माणाधीन सुरंग में छत का एक हिस्सा ढह जाने से 14 किमी अंदर फंसे आठ लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने में 60 घंटे के बाद भी कोई सफलता नहीं मिल पाई है।

वर्ष 2023 में उत्तराखंड के सिल्कयारा बेंड-बरकोट सुरंग में फंसे निर्माण श्रमिकों को बचाने वाले खनिकों (रैट माइनर्स) की एक टीम भी इन आठ लोगों को निकालने के लिए एनडीआरएफ, सेना और अन्य के साथ बचाव कार्य में शामिल हो गई है। बचाव अभियान के लिए सोमवार को एंडोस्कोपिक और रोबोटिक कैमरे सुरंग में लाए गए। इस अभियान में सहायता के लिए एनडीआरएफ डॉग स्क्वायड को भी तैनात किया गया है। उधर, इस दुर्घटना में जीवित बचे कर्मचारियों को अपने सहकर्मियों की सुरक्षित वापसी की उम्मीद है।

सिल्कयारा सुरंग में फंसे श्रमिकों को अवसाद व नींद की समस्या हो रही है। बता दें, नवंबर 2023 में उत्तराखंड की सिल्कयारा सुरंग में फंसने के बाद बचकर निकले एक तिहाई श्रमिकों की जांच करने पर पता चला कि उन्हें मानसिक स्वास्थ्य और नींद संबंधी समस्याएं हुईं थी। शोधकर्ताओं ने 33 श्रमिकों से उनकी दैनिक दिनचर्या, चिंताओं, नींद के बारे में पूछा तो पता चला है कि उनमें से लगभग एक तिहाई को समय संबंधी भ्रम का सामना करना पड़ा जिसके कारण उन्हें नींद और मानसिक अवसाद संबंधी समस्याएं हुईं।

पोंजी स्कीम के पीड़ितों को वापस मिली 3300 करोड़ से अधिक की संपत्ति

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईडी ने आंध्र प्रदेश, तेलंगाना सहित कुछ अन्य राज्यों में संचालित पोंजी स्कीम के पीड़ितों को 3,339 करोड़ रुपये की संपत्ति वापस दिलाने की प्रक्रिया पूरी कर ली है। उसने एक बयान में कहा है कि यह मामला एग्री गोल्ड समूह की कंपनियों से जुड़ा हुआ है।

इस पर आरोप है कि उसने ज्यादा रिटर्न या आवासीय भूखंड का झांसा देकर लगभग 19 लाख ग्राहकों से रियल एस्टेट में निवेश के नाम पर कुल 32 लाख खातों में राशि जमा कराई।

AI का मतलब असम इंटेलिजेंस होगा, PM मोदी ने गुवाहाटी में Advantage Assam 2.0 समिट का किया उद्घाटन

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिन के दौरे पर असम में हैं। उन्होंने आज असम की राजधानी गुवाहाटी में एडवांटेज असम 2.0 समिट का उद्घाटन किया। यह समिट दो दिनों तक चलेगी। इस समिट में 60 से अधिक देशों के राजदूत शिरकत करेंगे।

उन्होंने समिट में कहा, आज पूर्वी भारत और नॉर्थ ईस्ट की धरती एक नए भविष्य की शुरुआत करने जा रही है। एडवांटेज असम, राज्य के सामर्थ्य और प्रगति से पूरी दुनिया को जोड़ने का एक बहुत बड़ा अभियान है। इतिहास गवाह है कि पहले भी पूर्वी भारत देश की समृद्धि में बहुत बड़ी भूमिका निभाता था।

उन्होंने कहा कि आज जब भारत विकास की ओर बढ़ रहा है, तो एक बार फिर पूर्वी भारत सबसे आगे है। हमारा नॉर्थ ईस्ट अपना सामर्थ्य दिखाने जा रहा है। मैं एडवांटेज असम को इसी भावना का प्रतिनिधित्व मानता हूं। मैं इस भव्य आयोजन के लिए असम सरकार और हिमंत जी की पूरी टीम को बधाई देता हूं। मुझे याद है कि 2013 में मैं चुनाव प्रचार के लिए असम का दौरा कर रहा था। एक मीटिंग में मेरे मन में एक वाक्य आया और मैंने कहा कि वो दिन दूर नहीं है जब मैं वर्णमाला पढ़ रहा हूं, तो बोलो A फॉर असम।

प्रधानमंत्री ने नॉर्थ ईस्ट की महत्वता पर जोर देते हुए कहा कि पूर्वी भारत और पूर्वोत्तर की भूमि आज एक नए भविष्य की शुरुआत करने जा रही है। एडवांटेज असम पूरी दुनिया को असम की संभावनाओं और प्रगति से जोड़ने का एक महाअभियान है।

उन्होंने आगे कहा कि इतिहास गवाह है कि सबसे पहले भारत की समृद्धि में पूर्वी भारत का बहुत बड़ा रोल हुआ था। आज जब भारत विकसित होने की तरफ बढ़ रहा है, तो एक बार फिर हमारा ये नॉर्थईस्ट अपनी साख बढ़ाने जा रहा है।

पीएम मोदी ने कहा कि असम में 2009 से 2014 के बीच रेल बजट औसतन 2,100 करोड़ रुपये प्रति मील था। हमारी सरकार ने असम के रेलवे बजट को चार गुना बढ़ाकर 10,000 करोड़ रुपये पहुंचाया है।

AI का मतलब असम इंटेलिजेंस भी होगा- इस समिट में रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने भी शिरकत किया। उन्होंने कहा,असम चाय की लोकप्रियता के कारण, अब तक असम को चाय के स्वर्ग के रूप में जाना जाता है।

यूनुस सरकार को झटका, नाहिद इस्लाम ने कैबिनेट से दिया इस्तीफा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश में छात्र आंदोलन की अगुआई कर रहे स्टूडेंट लीडर नाहिद इस्लाम ने मोदम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार से इस्तीफा दे दिया है। नाहिद इस्लाम यूनुस कैबिनेट में सूचना सलाहकार के पद पर तैनात थे। उन्होंने मंगलवार को मोदम्मद यूनुस को अपना इस्तीफा दिया।

अपराध की चपेट में बांग्लादेश- बांग्लादेश मोहम्मद यूनुस के शासन में अपराध की चपेट में आ गया है। पुलिस के डाटा से यही जाहिर होता है। देशभर में हालिया महीनों में हत्या, अपहरण, लूट और डकैती की घटनाओं में तेज उछाल की जानकारी उजागर हुई है।

डाटा को खारिज किया- यह अपराध के मामले में पिछले छह वर्षों में सबसे बदहाल स्थिति है। हालांकि, अंतरिक सरकार के गृह मामलों के सलाहकार जहांगीर आलम चौधरी ने डाटा को खारिज किया और दावा किया कि देश में देश में कानून और व्यवस्था की स्थिति संतोषजनक है। हाल ही में बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना ने मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार पर देश को आतंकवाद और अराजकता का केंद्र बनाने का आरोप लगाया था।

बांग्लादेश में बढ़ रही अपराध की घटनाएं- हिंसक छात्र आंदोलन के चलते गत पांच अगस्त में हसीना की अगुआई वाली अवामी लीग सरकार का पतन हो गया था। इसके बाद हिंसा और अपराध की घटनाओं में बढ़ोतरी हुई है।

डेली स्टार अखबार ने पुलिस मुख्यालय के डाटा के हवाले से बताया कि इस वर्ष जनवरी के दौरान देशभर के थानों में हत्या के 294 मामले दर्ज किए गए। जबकि इस अवधि में लूट और डकैती के 242 मामले सामने आए।

पिछले छह वर्षों में मासिक अपराध के आंकड़ों के विश्लेषण से पता चला कि एक महीने में अपराध की सर्वाधिक घटनाएं दर्ज की गई हैं। बांग्लादेश में एयरबेस पर हमला

बता दें कि सोमवार को बांग्लादेश में वायुसेना के एक बेस पर हमला किया गया। सुरक्षा कर्मियों की जवाबी कार्रवाई में एक व्यक्ति के मारे जाने और कई लोगों घायल हुए। रक्षा मंत्रालय के अंतर सेवा जनसंपर्क निदेशालय ने बताया कि अराजक तत्वों ने काक्स बाजार के समीप स्थित वायुसेना के बेस पर हमला किया था। वायुसेना इस संबंध में आवश्यक कदम उठा रही है।

हमले के कारणों की जांच होगी- काक्स बाजार के उपायुक्त मोहम्मद सलाहुद्दीन ने बताया कि झड़प के दौरान गोली लगने से 30 वर्षीय शिहाब कबीर नामक एक स्थानीय कारोबारी की मौत हो गई। जबकि कई लोग घायल हुए। हमले के कारणों की गहन जांच की जाएगी। हालांकि स्थानीय मीडिया के अनुसार, यह घटना एयरबेस की विस्तार योजना के कारण हुई।

कतर एयरवेज में यात्रा के दौरान महिला ने तोड़ा दम, विमान में सवार दंपती ने सुनाई दिल दहलाने वाली आपबीती

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न से दोहा जा रही कतर एयरवेज में एक दुखद घटना घटी। यात्रा के दौरान विमान में एक महिला यात्री की मौत हो गई। विमान चालक दल ने चिकित्सा सहायता देने की कोशिश भी की, लेकिन वो व्यक्ति की जान नहीं बचा सके। यह घटना तब हुई जब एक महिला बाथरूम से बाहर निकली और अचानक गिर पड़ीं। चालक दल द्वारा उसे बचाने के प्रयासों के बावजूद, महिला को बचाया नहीं जा सका।

केबिन क्रू को मृत यात्री को ले जाने में परेशानी हो रही थी, इसलिए उन्होंने उसे बिजनेस क्लास सेक्शन में ले जाने का प्रयास किया। उन्होंने शव को रिंग और कॉलिन की पंक्ति में रखने का फैसला किया।

एक दंपती ने सुनाई आपबीती- विमान में मिशेल रिंग और जेनिफर कॉलिन, एक दंपती भी सवार थे। उन्होंने इस घटना की जानकारी देते हुए बताया कि पहले केबिन क्रू द्वारा मृत महिला को बिजनेस क्लास ले जाने की कोशिश की गई। हालांकि, वो महिला को ले जाने में असमर्थ रहे। इसके बाद मृतक महिला को हमारी सीट वाली पंक्ति में ही बैठा दिया गया। एक मृतक महिला मेरे सामने बैठी थी। मुझे कोई दूसरी सीट भी नहीं दी गई। अगले चार घंटे तक एक मृतक महिला मेरे सामने बैठी थी। दंपती ने अपनी यात्रा को अत्यंत कष्टदायक बताया।

कतर एयरवेज ने क्या कहा? - इस घटना पर कतर एयरवेज की ओर से प्रतिक्रिया भी दी गई। विमान कंपनी के प्रवक्ता नेह बयान में कहा गया, सबसे पहले हमारी संवेदनाएं उस यात्री के परिवार के साथ हैं, जिसकी दुखद मृत्यु हमारे विमान में हुई। इस घटना के कारण हुई किसी भी असुविधा या परेशानी के लिए हम खेद व्यक्त करते हैं, तथा अपनी नीतियों और प्रक्रियाओं के अनुरूप यात्रियों से संपर्क करने की प्रक्रिया में हैं।

UN में यूक्रेन को छोड़ रूस के साथ खड़ा हो गया अमेरिका, भारत ने बढ़ाई मतदान से दूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस और यूक्रेन के बीच जारी संघर्ष को लेकर अमेरिका ने अपनी नीतियों में परिवर्तन करते हुए संयुक्त राष्ट्र में रूस का साथ दिया है। अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के मसौदा प्रस्ताव पर रूस का साथ दिया, जिसमें तनाव कम करने, शत्रुता को जल्द खत्म करने और यूक्रेन में युद्ध का शांतिपूर्ण समाधान करने का एलान किया गया।

यूरोपीय संघ की ओर से रूस के हमले की निंदा से जुड़ा प्रस्ताव पेश किया गया था। इस प्रस्ताव ने बदलती हुई वैश्विक राजनीति को दिखाया है। इस प्रस्ताव पर जब मतदान की जरूरत पड़ी तो अमेरिका ने अपनी विदेश नीति में बड़ा बदलाव करते हुए रूस के साथ खड़े होने की घोषणा की।

इस प्रस्ताव के खिलाफ अमेरिका ने वोट दिया और यूक्रेन का विरोध किया। ट्रंप का ये फैसला यूरोप के साथ उनके बढ़ते मतभेद और पुतिन के साथ उनकी करीबी को दिखाता है। वहीं इस मतदान के दौरान भारत ने अपने आप को मतदान से अलग रखा।

भारत शांति का समर्थन करने की नीति पर चलता है। उसने इस प्रस्ताव से दूरी बनाई। 65 देशों ने मतदान से परहेज किया। पहले भी रूस विरोधी प्रस्तावों पर भारत का यही रुख रहा है।

यूक्रेन को फंड देने की बात पर ट्रंप और फ्रांस के राष्ट्रपति में नोकझोंक

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने रूस-यूक्रेन वॉर में शांति वार्ता को लेकर मुलाकात की है। इसके बाद दोनों देशों के राष्ट्रपति ने साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस किया, लेकिन इस दौरान दोनों के बीच मतभेद साफ दिखाई दिए। यूक्रेन युद्ध को लेकर ट्रंप अपनी महत्वकांक्षाओं का प्रेस कॉन्फ्रेंस में बखान कर रहे थे, तभी मैक्रों ने उन्हें उनकी डील की असलियत से रूबरू करा दिया। मैक्रों ने इस बात पर जोर दिया कि वो शांति के लिए समान परिणाम चाहते हैं। पूरे प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मैक्रों बार-बार सुरक्षा गारंटी पर जोर देते दिखाई दिए, जिससे ये सुनिश्चित हो सके कि रूस फिर से यूक्रेन पर हमला नहीं करेगा। साथ ही उन्होंने कहा, किसी भी समझौते की जांच और सत्यापन किया जाना चाहिए।

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने बताया कि, ट्रंप और उनकी मुलाकात के दौरान दोनों ने कई महत्वपूर्ण कदम आगे बढ़ाए हैं और शांति स्थापित करने की अपनी साझा इच्छा पर जोर दिया।

चीन में AI Robot ने भीड़ पर किया हमला, लोगों को मारे घूंसे

नई दिल्ली (एजेंसी)। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग रोजमर्रा की जिंदगी में होने लगा है। दुनिया में आज के समय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से नियंत्रित रोबोट तैयार किए जा रहे हैं।

भले ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से नियंत्रित इन रोबोट्स के कई फायदे हैं, लेकिन इनके नुकसान को लेकर अक्सर चर्चाएं होती रहती है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें देखा जा सकता है कि एक AI रोबोट ने इंसानों पर हमला कर दिया। रोबोट ने भीड़ पर किया हमला- यह मामला चीन का है। वीडियो में देखा सकता है कि एक इवेंट के दौरान Humanoid Robot भीड़ की तरफ बढ़ता है और लोगों पर घूंसे चलाने लगता है। इसके बाद Robot को तुरंत ही कुछ लोगों ने पकड़ लिया और उसे लोगों से दूर ले गए। गनीमत रही कि इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ।

आखिर ऐसा हुआ क्यों? - मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, रोबोट के सॉफ्टवेयर में कुछ गड़बड़ियां आ गई थी, जिसकी वजह से रोबोट ने लोगों पर हमला कर दिया। इस घटना के बाद AI रोबोट सवालों के घेरे में आ चुके है। बता दें कि रोबोट को बनाए जाने के लिए जिन धातुओं का इस्तेमाल किया जाता है, वो हार्ड मेटल के होते हैं। ऐसे में अगर कोई रोबोट इंसान पर हमला करता है तो लोग बुरी तरह घायल हो सकते हैं। इस घटना पर कई लोगों ने चिंता जाहिर की। पॉडकास्टर जो रोगन ने क्लिप को ऑनलाइन शेयर करते हुए लिखा, चीन में एक AI रोबोट दर्शकों के साथ आक्रामक हो गया। जिस तरह से उसने ऐसा किया, वह बिल्कुल मानवीय था। मुझे यह बिल्कुल पसंद नहीं आया।

Elon Musk की कंपनी भी Humanoid Robot तैयार करने में जुटी है। इस रोबोट का नाम Optimus AI Robot है। इस रोबोट से जुड़ी जानकारी अक्सर एलन मस्क सोशल मीडिया पर शेयर करते रहते हैं।

अंतरिक्ष में फंसीं सुनीता विलियम्स की मां का बड़ा दावा, मस्क को भी घेरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नासा के पूर्व उप प्रशासक ने ब्लूमबर्ग को बताया कि नासा के शीर्ष अधिकारियों को प्लान से पहले अंतरिक्ष में फंसे दो अमेरिकी अंतरिक्ष यात्रियों को घर लाने के लिए एलन मस्क के स्पेसएक्स से कभी कोई प्रस्ताव नहीं मिला।

टिप्पणियों में मस्क के दावों पर संदेह जताया गया है कि डोनाल्ड ट्रंप के अरबपति के समर्थन के कारण पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के व्हाइट हाउस द्वारा शीघ्र बचाव अभियान चलाने के उनके प्रयासों को अवरुद्ध कर दिया गया था।

मस्क की पेशकश कभी नासा तक नहीं पहुंचा- मेलरॉय नासा के प्रशासक बिल नेल्सन के अधीन दूसरे स्थान पर रहने वाले पूर्व अंतरिक्ष यात्री पाम मेलरॉय ने एक इंटरव्यू में कहा, चालक दल को जल्दी घर लाने की पेशकश की गई, लेकिन यह कभी मुख्यालय नहीं आया।

बता दें, राष्ट्रपति ट्रंप के करीबी सलाहकार मस्क ने पिछले हफ्ते सोशल मीडिया साइट एक्स पर एक पोस्ट में कहा था कि अधिकारियों ने योजना से पहले अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर रहने वाले अंतरिक्ष यात्रियों की एक जोड़ी को घर लाने के उनके प्रस्ताव को स्पष्ट रूप से अस्वीकार कर दिया था।

अच्छे दिन आना बाकी हैं, विवेक रामास्वामी ने ओहियो के गवर्नर पद के लिए किया उम्मीदवारी का एलान; ट्रंप ने क्या कहा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय-अमेरिकी कारोबारी और पूर्व रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार विवेक रामास्वामी ने ओहियो के गवर्नर पद के लिए अपनी दावेदारी ठोक दी है। यह एलान उन्होंने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी से इस्तीफा देने के कुछ हफ्तों बाद किया है।

उन्होंने कहा, ओहियो के अगले गवर्नर के रूप में अपनी उम्मीदवारी की आधिकारिक घोषणा करते हुए मुझे गर्व महसूस हो रहा है। राष्ट्रपति ट्रंप अमेरिका में हमारे विश्वास को फिर से जिंदा कर रहे हैं। हमें यहां घर पर एक ऐसे नेता की आवश्यकता है, जो ओहियो में हमारे विश्वास को पुनर्जीवित करे।

विवेक रामास्वामी ने कहा, मुझे यह एलान करते हुए गर्व हो रहा है कि मैं इस महान राज्य का अगला गवर्नर बनने के लिए चुनाव लड़ रहा हूं। वह राज्य जहां मैं पैदा हुआ और पला-बढ़ा, वह राज्य जहां आज अपूर्वा और मैं अपने दो बेटों का पालन-पोषण कर रहे हैं - वह राज्य जिसके सबसे अच्छे दिन अभी आने बाकी हैं।

रामास्वामी को टक्कर देंगे ये दावेदार- रामास्वामी की एंट्री से ओहायो की गवर्नर रेस दिलचस्प हो गई है। इसके साथ ही रिपब्लिकन खेमे से चुनौतियां भी आ रही हैं क्योंकि ओहियो अटॉर्नी जनरल डेव योस्ट ने भी मौजूदा गवर्नर माइक डेविन की जगह लेने के लिए अपनी उम्मीदवारी की घोषणा की है, जिसमें अन्य जीओपी दावेदारों के भी शामिल होने की संभावना है। डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से ओहियो की पूर्व स्वास्थ्य निदेशक एमी एक्टन मैदान में हैं।

बस कंडक्टर मारपीट मामले में नया ट्विस्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। बस कंडक्टर पर हमले मामले में एक नया मोड़ सामने आया है। जानकारी के अनुसार जिस नाबालिग लड़की के शिकायत के बाद बस कंडक्टर के खिलाफ पोक्सो अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया, अब उसके परिवार ने केस वापस लेने का फैसला किया है। दरअसल, कथित तौर पर पीड़िता के परिवार के लोगों ने एक वीडियो साझा कर उन्होंने मामला वापस लेने का फैसला किया है। इसके साथ उन्होंने इस मामले को बढ़ाना बंद करने का अनुरोध किया है जो कर्नाटक और महाराष्ट्र के बीच भाषा का मुद्दा बन गया है।

मामले में अब तक चार गिरफ्तार- राज्य परिवहन निगम की बस के कंडक्टर पर यात्री को मराठी में जवाब न देने पर हमला करने के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। कुछ समय बाद लड़की ने बस कंडक्टर के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई और आरोप लगाया कि बस कंडक्टर ने उसके साथ दुर्व्यवहार किया है। इस शिकायत के आधार पर कंडक्टर के खिलाफ यौन अपराधों के तहत बच्चों के संरक्षण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।

घटना के बाद बढ़ा तनाव- जानकारी दें कि शुक्रवार को महाराष्ट्र की सीमा से लगे बेलगावी जिला मुख्यालय शहर के बाहरी इलाके में हुई यह घटना अब दोनों राज्यों के बीच तनाव का कारण बन गई है। बता दें कि एमएसआरटीसी बस पर हमले के बाद महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने शनिवार को कर्नाटक में राज्य परिवहन की बसों को निलंबित करने का आदेश दिया था।

कर्नाटक विधानसभा में अब माननीयों को मिलेगी चैन से सोने की सुविधा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक विधानसभा अध्यक्ष यूटी खादर ने सत्र शुरू होने से पहले एक असामन्य कदम उठाते हुए ये कहा है कि राज्य विधानमंडल में दोपहर के भोजन के बाद विधायक थोड़ी देर झपकी ले सके, इसके लिए 15 रिक्लाइनर किराए पर लेंगे।

खादर ने कहा, दोपहर के भोजन के बाद कदन में विधायकों और एमएलसी की उपस्थिति बढ़ाने के लिए ये एक अच्छा कदम है। उन्होंने कहा कि, विधायक दोपहर के भोजन के बाद विधान सौध (राज्य विधानमंडल) छोड़ देते हैं और कई लोग दोपहर के भोजन के बाद वापस सत्र में नहीं आते हैं।

खरीदने की बजाए किराए पर लिए जाएंगे रिक्लाइनर- टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, यूटी खादर ने कहा, विधायकों की अनुपस्थिति रोकने के लिए मैंने कम से कम 15 रिक्लाइनर किराए पर लेने और उन्हें असेंबली लॉबी में स्थापित करने का निर्णय लिया है। इस तरह विधायक ताजगी भरी झपकी ले सकते हैं और सदन की कार्यवाही में भाग ले सकते हैं।

हालांकि, खादर ने रिक्लाइनर किराए पर लेने की बात कही है, खरीदने से मना किया है।

सिरफिरे युवक ने गर्लफ्रेंड-दादी और सगे भाई समेत पांच लोगों को उतारा मौत के घाट

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल से एक सनसनी वारदात सामने आई है। ये मामला केरल के तिरुवनंतपुरम में सामूहक हत्या से जुड़ा है। इस मामले में 23 साल के एक युवक ने पुलिस थाने में जाकर सरेंडर किया और बताया कि उसने अपनी मां, नाबालिग भाई और प्रेमिका समेत छह लोगों की हत्या कर दी। लेकिन पुलिस ने अब तक पांच लोगों की हत्या की पुष्टि की है।

ये हत्याएं सोमवार शाम को कुछ घंटों के दौरान तीन अलग-अलग जगहों पर हुईं। यह तब सामने आया जब आरोपी अफ्फान ने पुलिस थाने में आत्मसमर्पण कर दिया और घटनाक्रम की जानकारी दी।

पुलिस ने की 5 लोगों की मौत की पुष्टि

पुलिस ने आरोपी के 13 साल के भाई अहसान, दादी सलमा बीवी, मामा लतीफ, मौसी शाहिदा और उसकी प्रेमिका फरशाना की मौत की पुष्टि की है।

वहीं अफ्फान की मां की हालत गंभीर है और उनका तिरुवनंतपुरम के मेडिकल कॉलेज अस्पताल में इलाज चल रहा है।

आरोपी ने पुलिस को यह भी बताया कि उसने जहर खा लिया है। इसके बाद उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया।

पुलिस अभी तक हत्या के पीछे के मकसद का पता नहीं लगा पाई है और सामूहिक हत्याकांड की जांच शुरू कर दी है।

सहमति से बने प्रेम संबंधों को अपराध मानना गलत, युवाओं के 11 साल पुराने मामले में HC ने कहा- ऐसे रिश्तों को मान्यता मिलनी चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाई कोर्ट ने युवा जोड़ों के बीच किशोरावस्था में प्रेम और सहमति से शारीरिक संबंध को मान्यता देने की आवश्यकता को रेखांकित करते हुए दूसरा फैसला सुनाया है। ये किशोरावस्था में संबंध बनाने को लेकर दिल्ली हाई कोर्ट का एक हफ्ते में दूसरा फैसला है। इस फैसले का उद्देश्य उन्हें यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पोक्सो) अधिनियम के कड़े प्रावधानों से बचाना है।

हाल ही के एक मामले में, अदालत ने एक ऐसे व्यक्ति को बरी कर दिया, जिस पर एक लड़की के साथ बलात्कार करने का आरोप था, जिसके साथ वह रिश्ते में था। हाई कोर्ट ने उल्लेख किया कि 2014 में घटना के समय आरोपी की उम्र 19 साल थी, जबकि लड़की की उम्र 17 साल की थी।

कितनी थी दोनों की उम्र- न्यायमूर्ति जसमीत सिंह ने कहा कि यह मामला टीनेजर्स में प्रेम से जुड़ा है और दोनों के बीच शारीरिक संबंध सहमति से बने थे। उन्होंने कहा, इस बात को नजरअंदाज़ नहीं किया जा सकता कि घटना के समय अपीलकर्ता (पुरुष) की उम्र 19 साल थी और अभियोक्ता (लड़की) की उम्र करीब 17 साल थी।

इस प्रकार, यह किशोरावस्था के दौरान प्यार का मामला था और शारीरिक संबंध सहमति से स्थापित किए गए थे। इसलिए, अपीलकर्ता को पोक्सो अधिनियम के तहत दोषी ठहराना न्याय के साथ खिलवाड़ होगा।

क्या बोला हाईकोर्ट- अदालत ने तर्क दिया कि कानून द्वारा परिभाषित किशोर की उम्र की चर्चा विशिष्ट कानूनी ढांचे के संदर्भ में की जानी चाहिए।

उन्होंने कहा, लड़की के नजरिए को केवल इसलिए नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि वह 18 साल से कम थी, खासकर तब जब वो संबंध बनाने के लिए सहमत थी।

अदालत ने उस व्यक्ति को जेल से रिहा करने का भी आदेश दिया, यह बोलते हुए कि अभियोजन पक्ष लड़की की उम्र को उचित संदेह से परे साबित करने में विफल रहा है, और इसके फायदा आरोपी को मिलना चाहिए।

स्टालिन ने नई शिक्षा नीति का किया विरोध, अब भाजपा की नेता ने ही पार्टी के खिलाफ खोल दिया मोर्चा, दे दिया इस्तीफा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई शिक्षा नीति को लेकर केंद्र और तमिलनाडु की सरकार के बीच विवाद बढ़ता जा रहा है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने इस विवाद के बाच बड़ा बयान देते हुए कहा है कि उनका राज्य एक और भाषा युद्ध के लिए तैयार है।

सीएम स्टालिन ने कहा, ÷राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के माध्यम से कथित हिन्दी थोपने को लेकर केंद्र के साथ तनाव बढ़ रहा है। राज्य में नई शिक्षा नीति लागू नहीं होने देंगे÷। बता दें, हिन्दी को लेकर स्टालिन और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के बीच जुबानी जंग देखने को मिल रही है।

मुख्यमंत्री स्टालिन ने केंद्र सरकार पर शिक्षा का राजनीतिकरण करने और राज्य का महत्वपूर्ण पैसा रोकने का आरोप भी लगाया है। स्टालिन के अलावा नई शिक्षा नीति का तमिलनाडु में कांग्रेस और वामदल भी विरोध कर रहे हैं।

2000 करोड़ के लिए अधिकार नहीं छोड़ सकते- स्टालिन- स्टालिन ने कहा कि हम 2000 करोड़ के लिए अपने अधिकारों को नहीं छोड़ सकते हैं। अगर हम ऐसा करते हैं तो तमिल राज 2000 साल पीछे चला जाएगा। उन्होंने कहा कि, नई शिक्षा नीति सामाजिक न्याय को कमजोर करती है, ये तमिल भाषा को खतरे में डाल सकती है। इससे हमारे बच्चों के भविष्य पर सीधा खतरा है।

स्टालिन ने ये स्पष्ट किया कि हम किसी भाषा का विरोध नहीं करते हैं, लेकिन हम हमेशा थोपने वाली हर भाषा का विरोध करेंगे। उन्होंने कहा, एनईपी का उनका विरोध केवल इसलिए नहीं है क्योंकि ये हिन्दी को बढ़ावा देती है, बल्कि इसलिए है क्योंकि ये बच्चों को स्कूलों से बाहर कर देती है।

स्टालिन के अलावा भाजपा नेता ने ही पार्टी को दिया झटका- फिल्मों से राजनीति में कदम रखने वाली साउथ की अभिनेत्री रंजना नचियार ने भाजपा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपने इस्तीफे में तीन भाषा नीति को लागू करने का कारण बताया है।

पाकिस्तान की जेल से रिहा हुए 22 मछुआरे, वतन वापसी के बाद चर्चा में चिट्ठी क्यों?

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान की कराची जेल से रिहा हुए 22 भारतीय मछुआरे मंगलवार को गुजरात के गिर सोमनाथ पहुंचे और अपने देश लौटने पर सभी ने खुशी जताई। उन्होंने सरकार से पड़ोसी देश की जेलों में बंद कई अन्य भारतीय मछुआरों की रिहाई में तेजी लाने का भी आग्रह किया।

22 मछुआरों को पाकिस्तान की नौसैनिक सुरक्षा एजेंसी ने अप्रैल 2021 और दिसंबर 2022 के बीच गुजरात के पास अरब सागर में समुद्री सीमा के पास मछली पकड़ते समय पकड़ा था। वेरावल के सहायक मत्स्य निदेशक वीके गोहेल ने कहा कि लगभग 195 मछुआरे अभी भी पाकिस्तानी जेलों में बंद हैं।

कहां-कहां के हैं रिहा हुए मछुआरे- रिहा किए गए 22 मछुआरों में से 18 गुजरात के और तीन पड़ोसी केंद्र शासित प्रदेश दीव के और एक उत्तर प्रदेश का है। गुजरात सरकार ने एक बयान में कहा कि मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल और कृषि मंत्री राघवजी पटेल ने केंद्र से उनकी रिहाई का अनुरोध किया था।

गोहेल ने कहा कि कुछ दिन पहले वाघा सीमा पर भारतीय अधिकारियों को सौंपे जाने के बाद मछुआरे सोमवार शाम ट्रेन से वडोदरा पहुंचे। वडोदरा पहुंचने पर मछुआरों ने अपने देश लौटने पर खुशी जाहिर की।

रिहा हुए मछुआरों ने किया बड़ा दावा- रिहा किए गए मछुआरों में से एक ने वडोदरा में पत्रकारों से बात करते हुए दावा किया, वे बीमारियों से पीड़ित हैं और भोजन को लेकर समस्याओं का सामना कर रहे थे। वे बहुत मुश्किल में हैं। एक अन्य मछुआरे ने अपनी दुर्दशा का जिक्र करते हुए कहा कि साढ़े तीन साल पहले जब वह गुजरात तट पर मछली पकड़ने गया था तो उसे पाकिस्तानी समुद्री सुरक्षा एजेंसी ने पकड़ लिया था।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

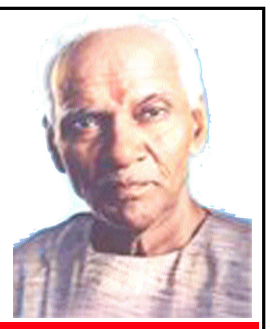

विक्रम संवत 2079 फाल्गुन तृयोदशी

संपादकीय

हिंदू धर्म में महाशिवरात्रि एक महत्वपूर्ण त्यौहार

हिंदू धर्म में महाशिवरात्रि एक महत्वपूर्ण त्यौहार फाल्गुन मास की कृष्ण चतुर्दशी को बड़े ही श्रद्धा सुमन समर्पण भाव से भगवान शिव और माता पार्वती की आराधना के लिए मनाया जाता है। वैसे हिंदू धर्म में आदि अनादि काल से प्रतिदिन कोई न कोई त्यौहार और पर्व होता है। मान्यता यहां तक है कि मनुष्य का प्रति पल त्यौहार है और उसे आनंद की अनुभूति के साथ व्यतित करते रहना चाहिए।

शिवपुराण के अनुसार फाल्गुन कृष्ण चतुर्दशी को महाशिवरात्रि का त्यौहार मनाए जाने का अपना एक विशेष महत्व है, क्योंकि शिवजी चतुर्दशी के देवता हैं। मान्यता है कि ब्रह्मा ने रूद्र रूपी शिव की उत्पत्ति इसी दिन की थी। इसी दिन शंकर ने तांडव नृत्य करके और डमरू बजाकर सारे वायुमंडल में ज्ञान- विज्ञान बिखेरा था।

ऐहलोकिक और पारलोकिक दो अलग-अलग दृष्टिकोण हैं जो जीवन और जगत को देखने के तरीके को दर्शाते हैं।

ऐहलोकिक अर्थात धर्म निरपेक्ष दृष्टि, एक ऐसा दृष्टिकोंण है जो जीव और जगत को मात्र भौतिक और सांसारिक दृष्टि से देखता है। इस दृष्टिकोंण से शैव परंपरा में जीव और जगत की सभी घटनाएं और प्रक्रियाएं प्राकृतिक और भौतिक नियमों के अनुसार होती हैं।

शिव की ऐहलोकिक शक्ति में ध्यान केंद्रित करने वालों का मानना है कि - मानव जीवन की सांसारिक और भौतिक आवश्यकताओं

, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, आर्थिक और राजनीतिक व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने की दृष्टि से महाशिवरात्रि का त्योहार मनाया जाता है। शिव को पारलोकिक दृष्टि से समझना, एक ऐसा दृष्टिकोंण है जो जीवन और जगत को एक आध्यात्मिक और अधिभौतिक दृष्टि से देखता है। इस दृष्टि से समझने वाले मानते हैं कि जीवन और जगत की सभी घटनाएं और प्रक्रियाएं एक उच्च और आध्यात्मिक शक्ति के नियंत्रण में होती हैं और मानव जीवन की आध्यात्मिक और अधिभौतिक आवश्यकताओं , ईश्वर या उच्च शक्ति के साथ संबंध , आत्म-ज्ञान और आत्म-साक्षरता का साक्षात्कार होता है।

स्मरण रहे, दोनों दृष्टिकोंण किसी भी स्तर पर एक दूसरे के विरोधी न होकर एक दूसरे के पूरक हैं। दोनों दृष्टिकोंणों को शामिल कर एक संतुलित दृष्टिकोंण की स्थापना की जा सकती है। जिससे जीव और जगत की एक अधिक व्यापक और गहरी समझ प्राप्त हो सकती है।

वैसे तो हर माह का चौदहवाँ दिन अर्थात अमावस्या से पूर्व का दिन शिवरात्रि के नाम से जाना जाता है। एक कैलेंडर वर्ष में आने वाली सभी शिवरात्रियों में महाशिवरात्रि का महत्व सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। मान्यता है कि इस दिन हमारी पृथ्वी उत्तरी गोलार्द्ध में इस प्रकार अवस्थित होती है कि मनुष्य के भीतर की प्राकृतिक ऊर्जा पैरों से रूप से मस्तिष्क की ओर अग्रसर होती है। वर्ष का यह एक ऐसा दिन -रात है, जब प्रकृति मनुष्य को उसके आध्यात्मिक शिखर तक ले जाने में मदद करती है।

सनातन परंपरा में भगवान शिव के गृहस्थी जीवन में प्रवेश करने के उपलक्ष्य में शिव भक्त उत्सव में एक बात का विशेष ध्यान रखते हैं कि ऊर्जाओं के प्राकृतिक प्रवाह को उमड़ने का पूरा अवसर मिले। इसलिए शिव शक्ति की आराधना में लीन भक्त अपनी रीढ़ की हड्डी को सीधा रखते हुए निरंतर जागते और मत्रों का जाप रहते हैं।

सांसारिक महत्वा कांक्षाओं में मग्न लोग महाशिवरात्रि को, शिव के द्वारा अपने शत्रुओं पर विजय पाने के दिवस के रूप में मनाते हैं। क्योंकि शिव सुंदरता से नाजुक होने के बावजूद दुश्मन को क्षमा न करने वाले दिव्य स्वर्ग से जुड़े हैं ।

महाशिवरात्रि

महाशिवरात्रि भारतीयों का एक प्रमुख त्यौहार है। यह भगवान शिव का प्रमुख पर्व है। फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को महाशिवरात्रि पर्व मनाया जाता है। माना जाता है कि सृष्टि का प्रारम्भ इसी दिन से हुआ था। पौराणिक कथाओं के अनुसार इस दिन सृष्टि का आरम्भ अग्निलिंग (जो महादेव का विशालकाय स्वरूप है) के उदय से हुआ। महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव व पत्नी पार्वती की पूजा होती हैं। यह पूजा व्रत रखने के दौरान की जाती है। साल में होने वाली 12 शिवरात्रियों में से महाशिवरात्रि को सबसे महत्वपूर्ण माना जाता है। भारत सहित पूरी दुनिया में महाशिवरात्रि का पावन पर्व बहुत ही उत्साह के साथ मनाया जाता है।

कश्मीर शैव मत में इस त्यौहार को हर-रात्रि और बोलचाल में हेराथ या हेरथ भी कहा जाता हैं।

कथाएँ

महाशिवरात्रि से सम्बन्धित कई पौराणिक कथाएँ है।

समुद्र मन्थन

अमृत का उत्पादन करने के लिए निश्चित था, लेकिन इसके साथ ही हलाहल नामक विष भी पैदा हुआ था। हलाहल विष में ब्रह्माण्ड को नष्ट करने की क्षमता थी और इसलिए केवल भगवान शिव इसे नष्ट कर सकते थे। भगवान शिव ने हलाहल नामक विष को अपने कण्ठ में रख लिया था। जहर इतना शक्तिशाली था कि भगवान शिव अत्यधिक दर्द से पीड़ित हो उठे थे और उनका गला नीला हो गया था। इस कारण से भगवान शिव नीलकण्ठ के नाम से प्रसिद्ध हैं। उपचार के लिए, चिकित्सकों ने देवताओं को भगवान शिव को रात भर जगाये रहने की सलाह दी। इस प्रकार, भगवान शिव के चिन्तन में एक सतर्कता रखी। शिव को आनंदित करने और जागाये रखने के लिए, देवताओं ने अलग-अलग नृत्य और संगीत बजाये। जैसे सुबह हुई, उनकी भक्ति से प्रसन्न भगवान शिव ने उन सभी को आशीर्वाद दिया। शिवरात्रि इस घटना का उत्सव है, जिससे शिव ने दुनिया को बचाया। तब से इस दिन, भक्त उपवास करते है।

शिकारी कथा

एक बार पार्वती जी ने भगवान शिवशंकर से पूछा, ऐसा कौन-सा श्रेष्ठ तथा सरल व्रत-पूजन है, जिससे मृत्युलोक के प्राणी आपकी कृपा सहज ही प्राप्त कर लेते हैं? उत्तर में शिवजी ने पार्वती को शिवरात्रि के व्रत का विधान बताकर यह कथा सुनाई- एक बार चित्रभानु नामक एक शिकारी था। पशुओं की हत्या करके वह अपने कुटुम्ब को पालता था। वह एक साहूकार का ऋणी था, लेकिन उसका ऋण समय पर न चुका सका। क्रोधित साहूकार ने शिकारी को शिवमठ में बंदी बना लिया। संयोग से उस दिन शिवरात्रि थी।

शिकारी ध्यानमग्न होकर शिव-संबंधी धार्मिक बातें सुनता रहा। चतुर्दशी को उसने शिवरात्रि व्रत की कथा भी सुनी। संध्या होते ही साहूकार ने उसे अपने पास बुलाया और ऋण चुकाने के विषय में बात की। शिकारी अगले दिन सारा ऋण लौटा देने का वचन देकर बंधन से छूट गया। अपनी दिनचर्या की भांति वह जंगल में शिकार के लिए निकला। लेकिन दिनभर बंदी गृह में रहने के कारण भूख-प्यास से व्याकुल था। शिकार करने के लिए वह एक तालाब के किनारे बेल-वृक्ष पर पड़ाव बनाने लगा। बेल वृक्ष के नीचे शिवलिंग था जो विल्वपत्रों से ढका हुआ था। शिकारी को उसका पता न चला।

पड़ाव बनाते समय उसने जो टहनियाँ तोड़ीं, वे संयोग से शिवलिंग पर गिरीं। इस प्रकार दिनभर भूखे-प्यासे शिकारी का व्रत भी हो गया और शिवलिंग पर बेलपत्र भी चढ़ गए। एक पहर रात्रि बीत जाने पर एक गर्भिणी मृगी तालाब पर पानी पीने पहुँची। शिकारी ने धनुष पर तीर चढ़ाकर ज्यों ही प्रत्यंचा खींची, मृगी बोली, मैं गर्भिणी हूँ। शीघ्र ही प्रसव करूँगी। तुम एक साथ दो जीवों की हत्या करोगे, जो ठीक नहीं है। मैं बच्चे को जन्म देकर शीघ्र ही तुम्हारे समक्ष प्रस्तुत हो जाऊँगी, तब मार लेना। शिकारी ने प्रत्यंचा ढीली कर दी और मृगी जंगली झाड़ियों में लुप्त हो गई।

कुछ ही देर बाद एक और मृगी उधर से निकली। शिकारी की प्रसन्नता का ठिकाना न रहा। समीप आने पर उसने धनुष पर बाण चढ़ाया। तब उसे देख मृगी ने विनम्रतापूर्वक निवेदन किया, हे पारधी! मैं थोड़ी देर पहले ऋतु से निवृत्त हुई हूं। कामातुर विरहिणी हूँ। अपने प्रिय की खोज में भटक रही हूँ। मैं अपने पति से मिलकर शीघ्र ही तुम्हारे पास आ जाऊँगी। शिकारी ने उसे भी जाने दिया। दो बार शिकार को खोकर उसका माथा ठनका। वह चिन्ता में पड़ गया। रात्रि का आखिरी पहर बीत रहा था। तभी एक अन्य मृगी अपने बच्चों के साथ उधर से निकली। शिकारी के लिए यह स्वर्णिम अवसर था। उसने धनुष पर तीर चढ़ाने में देर नहीं लगाई। वह तीर छोड़ने ही वाला था कि मृगी बोली, हे पारधी! मैं इन बच्चों को इनके पिता के हवाले करके लौट आऊँगी। इस समय मुझे शिकारी हँसा और बोला, सामने आए शिकार को छोड़ दूँ, मैं ऐसा मूर्ख नहीं। इससे पहले मैं दो बार अपना शिकार खो चुका हूँ। मेरे बच्चे भूख-प्यास से तड़प रहे होंगे। उत्तर में मृगी ने फिर कहा, जैसे तुम्हें अपने बच्चों की ममता सता रही है, ठीक वैसे ही मुझे भी। इसलिए सिर्फ बच्चों के नाम पर मैं थोड़ी देर के लिए जीवनदान माँग रही हूँ। हे पारधी! मेरा विश्वास कर, मैं इन्हें इनके पिता के पास छोड़कर तुरन्त लौटने की प्रतिज्ञा करती हूँ। मृगी का दीन स्वर सुनकर शिकारी को उस पर दया आ गई। उसने उस मृगी को भी जाने दिया। शिकार के अभाव में बेल-वृक्षपर बैठा शिकारी बेलपत्र तोड़-तोड़कर नीचे फेंकता जा रहा था। पौ फटने को हुई तो एक हृष्ट-पुष्ट मृग उसी रास्ते पर आया। शिकारी ने सोच लिया कि इसका शिकार वह अवश्य करेगा। शिकारी की तनी प्रत्यंचा देखकर मृगविनीत स्वर में बोला, हे पारधी भाई! यदि तुमने मुझसे पूर्व आने वाली तीन मृगियों तथा छोटे-छोटे बच्चों को मार डाला है, तो मुझे भी मारने में विलम्ब न करो, ताकि मुझे उनके वियोग में एक क्षण भी दुःख न सहना पड़े। मैं उन मृगियों का पति हूँ। यदि तुमने उन्हें जीवनदान दिया है तो मुझे भी कुछ क्षण का जीवन देने की कृपा करो। मैं उनसे मिलकर तुम्हारे समक्ष उपस्थित हो जाऊँगा।

मृग की बात सुनते ही शिकारी के सामने पूरी रात का घटनाचक्र घूम गया, उसने सारी कथा मृग को सुना दी। तब मृग ने कहा, मेरी तीनों पत्नियाँ जिस प्रकार प्रतिज्ञाबद्ध होकर गई हैं, मेरी मृत्यु से अपने धर्म का पालन नहीं कर पाएँगी। अतः जैसे तुमने उन्हें विश्वासपात्र मानकर छोड़ा है, वैसे ही मुझे भी जाने दो। मैं उन सबके साथ तुम्हारे सामने शीघ्र ही उपस्थित होता हूँ। उपवास, रात्रि-जागरण तथा शिवलिंग पर बेलपत्र चढ़ने से शिकारी का हिंसक हृदय निर्मल हो गया था। उसमें भगवद् शक्ति का वास हो गया था। धनुष तथा बाण उसके हाथ से सहज ही छूट गया। भगवान शिव की अनुकम्पा से उसका हिंसक हृदय कारुणिक भावों से भर गया। वह अपने अतीत के कर्मों को याद करके पश्चाताप की ज्वाला में जलने लगा।

थोड़ी ही देर बाद वह मृग सपरिवार शिकारी के समक्ष उपस्थित हो गया, ताकि वह उनका शिकार कर सके, किन्तु जंगली पशुओं की ऐसी सत्यता, सात्विकता एवम् सामूहिक प्रेमभावना देखकर शिकारी को बड़ी ग्लानि हुई। उसके नेत्रों से आँसुओं की झड़ी लग गई। उस मृग परिवार को न मारकर शिकारी ने अपने कठोर हृदय को जीव हिंसा से हटा सदा के लिए कोमल एवम् दयालु बना लिया। देवलोक से समस्त देव समाज भी इस घटना को देख रहे थे। घटना की परिणति होते ही देवी-देवताओं ने पुष्प-वर्षा की। तब शिकारी तथा मृग परिवार मोक्ष को प्राप्त हुए।

अनुष्ठान

इस अवसर पर भगवान शिव का अभिषेक अनेकों प्रकार से किया जाता है। जलाभिषेक जल से और दुग्धाभिषेक = दूध से। बहुत जल्दी सुबह-सुबह भगवान शिव के मन्दिरों पर भक्तों, जवान और बूढ़ों का ताँता लग जाता है वे सभी पारम्परिक शिवलिंग पूजा करने के लिए जाते हैं और भगवान से प्रार्थना करते हैं। भक्त सूर्योदय के समय पवित्र स्थानों पर स्नान करते हैं जैसे गंगा, या (खजुराहो के शिव सागर में) या किसी अन्य पवित्र जल स्रोत में।

निवेश के लिए युवाओं की पहली पसंद बन रहा शेयर बाजार, क्या है इसकी वजह?

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में 35 साल से कम उम्र के 45 फीसदी युवा निवेश के लिए शेयर बाजार को प्राथमिकता दे रहे हैं। रिसर्च फर्म vLattice और StockGro की लेटेस्ट रिपोर्ट के मुताबिक, युवाओं का इक्विटी निवेश की ओर रुझान बढ़ने का मुख्य कारण वित्तीय जागरूकता, टेक्नोलॉजी की मदद से बेहतर निवेश विकल्प और लॉन्ग-टर्म वेल्थ क्रिएशन का लक्ष्य है।

इक्विटी इन्वेस्टमेंट पर क्यों फोकस कर रहे हैं युवा- रिपोर्ट के अनुसार, 81% उत्तरदाताओं ने शेयर बाजार में निवेश कर रखा है, जो दर्शाता है कि युवा पारंपरिक बचत योजनाओं से हटकर सीधे इक्विटी मार्केट में निवेश कर रहे हैं। हालांकि, 42% गैर-निवेशकों को लगता है कि उनके पास निवेश शुरू करने के लिए जरूरी जानकारी की कमी है, जबकि 44% निवेशक स्टेप-बाय-स्टेप गाइडेंस चाहते हैं।

डिजिटल प्लेटफॉर्म और AI से निवेश सीखना आसान- डिजिटल निवेश प्लेटफॉर्म की बढ़ती लोकप्रियता के चलते 68% निवेशक डिजिटल माध्यमों का उपयोग कर ट्रेडिंग और निवेश सीखना पसंद कर रहे हैं। इसके अलावा, 38% लोग ऑनलाइन वीडियो कोर्स के जरिए निवेश की जानकारी लेना पसंद करते हैं। AI-बेस्ड इन्वेस्टमेंट रिकमेंडेशन, रियल-टाइम डेटा और वर्चुअल ट्रेडिंग एक्सपीरियंस जैसी सुविधाओं ने निवेश को अधिक आसान बना दिया है। करीब 50त्न नए निवेशक रियल मनी लगाने से पहले वर्चुअल मनी से अभ्यास करते हैं।

बाजार में अस्थिरता को लेकर निवेशकों की चिंता हालांकि, 51त्न निवेशक संभावित बाजार गिरावट को लेकर चिंतित हैं। पिछले कुछ महीनों में सेंसेक्स और निफ्टी करीब 15 फीसदी तक गिर चुके हैं। इससे निवेशकों की चिंता बढ़ रही है। हालांकि, उन्हें उम्मीद भी है कि मार्केट में जल्द रिकवरी होगी।

रिपोर्ट बताती है कि डिजिटल निवेश प्लेटफॉर्म छोटे शहरों तक अपनी पहुंच बना रहे हैं, जिससे अधिक लोग वित्तीय साक्षरता हासिल कर रहे हैं।

डिजिटल प्लेटफॉर्म निवेश को बना रहे आसान- StockGro के फाउंडर और CEO अजय लाखोटिया ने कहा, युवा निवेशक डिजिटल निवेश और इक्विटी बाजार में बदलाव का नेतृत्व कर रहे हैं।

इस कंपनी को मिला अडानी समूह से बड़ा ऑर्डर, 17 का है शेयर, आपका है दांव?

नई दिल्ली (एजेंसी)। ज्योति स्ट्रक्चर्स लिमिटेड के शेयर आज मंगलवार को कारोबार के दौरान फोकस में रहे। कंपनी के शेयर आज 2% तक गिरकर 17 रुपये पर बंद हुए। बता दें कि कंपनी के शेयरों में लगातार चौथे दिन गिरावट देखी गई। अब कंपनी ने एक बड़ी जानकारी दी है। ज्योति स्ट्रक्चर्स लिमिटेड ने कहा कि उसे अडानी समूह से बड़ा ऑर्डर भी मिला है। कंपनी ने कहा कि उसे अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड से 389.36 करोड़ का सप्लाई ऑर्डर मिला है।

वर्क ऑर्डर के दायरे में टावरों की सप्लाई, सर्वेक्षण, मिट्टी की जांच, नींव, निर्माण, स्ट्रिंगिंग, परीक्षण और टर्नकी आधार पर बोइसर II-पुणे III की 765 केवी डीसी ट्रांसमिशन लाइन को चालू करना शामिल है। इसे अप्रैल 2026 तक पूरा किया जाना है। नवंबर 2024 में, कंपनी ने अपने निदेशक मंडल द्वारा अप्रुवल इक्विटी शेयरों के राइट्स इश्यू के जरिए से 500 करोड़ तक का फंड जुटाने की घोषणा की थी।

इससे पहले भी मिला है ऑर्डर- अक्टूबर 2024 में कंपनी को गुजरात में अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस से 450 करोड़ के ऑर्डर के लिए अप्रूवल मिला था। अगस्त 2024 में, कंपनी को एक प्रमुख निजी डेवलपर से 765 केवी ट्रांसमिशन लाइन के लिए टावरों की आपूर्ति के लिए 106 करोड़ का ऑर्डर मिला।

1 लाख रुपये के निवेश ने बना दिया करोड़पति, कभी 21 रुपये में बिक रहा था शेयर

नई दिल्ली (एजेंसी)। शेयर बाजार में सही स्टॉक का चयन आपको धैर्य रखने पर करोड़पति बना सकता है। टीसीपीएल पैकेजिंग के शेयरों के साथ ऐसा ही कुछ देखने को मिला है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज यानी निफ्टी में कंपनी के शेयर इस समय 4110 रुपये पर ट्रेड कर रहा हैं। जबकि 16 साल पहले कंपनी के शेयरों का भाव 21 रुपये था। यानी तब से अबतक कंपनी के शेयरों की कीमतों में 19471 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। इस दौरान पोजीशनल निवेशकों का रिटर्न 197 गुना बढ़ा है।

16 साल पहले जिन निवेशकों ने इस स्टॉक पर भरोसा जताकर 1 लाख रुपये का निवेश किया होगा उनका पैसा इस समय 1.96 करोड़ रुपये हो गया होगा। यानी 16 साल में इस स्टॉक ने मल्टीबैगर रिटर्न के जरिए अपने पोजीशनल निवेशकों को करोड़पति बना दिया है।

मार्केट में मचे उथल-पुथल के बीच मंगलवार को कंपनी के शेयरों का भाव 9 प्रतिशत चढ़ गया था। शॉर्ट टर्म में कंपनी के शेयरों का भाव तेजी से बढ़ा है। 6 महीना पहले कंपनी के शेयरों को खरीदकर होल्ड करने वाले निवेशकों को अबतक 27 प्रतिशत का लाभ हुआ है। वहीं, 1 साल में कंपनी के शेयरों का भाव 86 प्रतिशत बढ़ चुका है। यानी जहां एक तरफ बाजार भारी बिकवाली का शिकार हुआ है तो वहीं इस स्टॉक को खरीदने वालों की होड़ सी है।

इस साल भी कंपनी ने अपने प्रदर्शन से निवेशकों को खुश किया है। 2025 में TCPL Packaging के शेयरों का भाव 26 प्रतिशत बढ़ चुका है। बता दें, कंपनी का 52 वीक हाई 4230 रुपये है।

वित्तीय स्थिति की बात करें तो कंपनी का नेट प्रॉफिट दिसंबर तिमाही में 37.70 करोड़ रुपये रहा है। सालाना आधार पर कंपनी का नेट प्रॉफिट 32 प्रतिशत बढ़ा है।

इस खबर के बाद कंपनी के शेयरों में लगा 20% का अपर सर्किट, निवेशक गदगद

नई दिल्ली (एजेंसी)। Thangamayil Jewellers Ltd के शेयरों में 20 प्रतिशत की उछाल देखने को मिली है। कंपनी के शेयरों में यह उछाल तब देखी गई जब बीते 7 कारोबारी दिन से कंपनी के शेयरों में लगातार गिरावट दर्ज की गई थी। इस दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में 15 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली थी। सोमवार को कंपनी ने एक्सचेंज को दी जानकारी में बताया कि उन्होंने चेन्नई के टी नगर में एक नया शो रूम खोला है। इस खबर के आने के बाद कंपनी के शेयरों में तेजी देखने को मिली। और दिन में स्टॉक में अपर सर्किट लग गया। बता दें, कंपनी ने बताया कि उन्होंने ओपनिंग डे पर 16.12 करोड़ रुपये का गोल्ड, सिल्वर, डायमंड और अन्य आर्टिकल बेचे थे। इस दिन शोरूम में 7250 लोग आए थे।

सीएनबीसी टीवी18 कि रिपोर्ट के अनुसार Thangamayil Jewellers Ltd के मैनेजमेंट का मानना है कि इस वित्त वर्ष के अंत में कंपनी का रेवन्यू ग्रोथ 24 प्रतिशत का हासिल कर लेगी। इसके अलावा कंपनी 510 करोड़ रुपये राइट्स इश्यू के जरिए जुटाएगी।

बीएसई में कंपनी के शेयर आज बढ़त के साथ 1579.80 रुपये के लेवल पर खुले थे। दिन में कंपनी के शेयरों का भाव 1861.85 रुपये के लेवल पर पहुंच गया। यह स्तर कंपनी के शेयरों ने अपर सर्किट लगने के बाद हासिल किया था।

मुकेश अंबानी के बाद अब बेटी ईशा पहुंचीं महाकुंभ, पति के साथ लगाई आस्था की डुबकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आस्था के सबसे बड़े समागम प्रयागराज महाकुंभ में देश के कोने-कोने से श्रद्धालुओं का आगमन जारी है। इसी कड़ी में मुकेश अंबानी की बेटी ईशा अंबानी ने मंगलवार को प्रयागराज के महाकुंभ का दौरा किया और त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकी लगाई। इस दौरान ईशा के पति आनंद पीरामल भी मौजूद थे। बता दें कि ईशा अंबानी, रिलायंस इंडस्ट्रीज समूह के रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड की कार्यकारी निदेशक हैं। वह मुकेश अंबानी की इकलौती बेटी हैं।

इससे पहले 11 फरवरी को रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी अपने परिवार की चार पीढ़ियों के साथ महाकुंभ नगर पहुंचे थे और उन्होंने सपरिवार संगम में डुबकी लगाई। मुकेश अंबानी के साथ उनके दोनों बेटे आकाश अंबानी और अनंत अंबानी, आकाश की पत्नी श्लोका अंबानी और उनके बेटे पृथ्वी एवं वेदा, अनंत अंबानी की पत्नी राधिका मर्चेंट भी इस दिव्य आयोजन का हिस्सा बने। इसके अलावा मुकेश अंबानी की मां कोकिलाबेन अंबानी, बहनें नीनाबेन और दीप्तिबेन, नीता अंबानी की मां पूर्णिमा दलाल और बहन ममता दलाल समेत परिवार के कई अन्य सदस्य भी मौजूद रहे।

इससे पूर्व, 21 जनवरी को देश के सबसे बड़े उद्योगपतियों में से एक और अडानी समूह के अध्यक्ष गौतम अडानी ने अपनी पत्नी प्रीति अडानी के साथ संगम में डुबकी लगाई थी। अडानी समूह ने महाकुंभ मेले में प्रसाद वितरण के लिए इस्कॉन के साथ हाथ मिलाया है। महाकुंभ का आखिरी दिन 26 फरवरी है। इस दिन शिवरात्रि की वजह से भारी भीड़ होने की उम्मीद है।

अडानी की झोली में आएगी यह कंपनी, मंजूरी मिलने के बाद रॉकेट की तरह भाग रहा शेयर

नई दिल्ली (एजेंसी)। कई दिनों के बाद मंगलवार को शेयर बाजार का माहौल थोड़ा खुशनुमा दिखा। इस माहौल के बीच गौतम अडानी समूह की कंपनियों के शेयर की भी भारी डिमांड थी। समूह का ऐसा ही एक शेयर अडानी पावर का है। अडानी पावर के शेयर में तूफानी तेजी विदर्भ इंडस्ट्रीज पावर लिमिटेड (वीआईपीएल) के अधिग्रहण के लिए कर्जदाताओं की समिति से मंजूरी मिलने के बाद आई है।

सप्ताह के दूसरे कारोबारी दिन इंट्राडे ट्रेड में बीएसई पर अडानी पावर के शेयर करीब 10 फीसदी बढ़कर 514.75 रुपये प्रति शेयर पर पहुंच गया। जून 2024 में शेयर की कीमत 896.75 रुपये थी। वहीं, नवंबर 2024 में यह शेयर 430.85 रुपये के स्तर पर आ गया। यह दोनों ही भाव क्रमश- शेयर के 52 हफ्ते के हाई और लो हैं।

अडानी पावर ने स्टॉक एक्सचेंज को बताया कि- विदर्भ इंडस्ट्रीज पावर लिमिटेड के ऋणदाताओं की समिति ने अडानी पावर द्वारा प्रस्तुत संकल्प योजना को मंजूरी दे दी है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

कुबेरेश्वरधाम में रुद्राक्ष महोत्सव पर व्यापक प्रशासनिक इंतजाम

सीहोर। महाशिवरात्रि पर कुबेरेश्वरधाम में मंगलवार से सात दिवसीय रुद्राक्ष महोत्सव आरंभ हो गया है। समिति और प्रशासन ने श्रद्धालुओं के ठहरने, भोजन और कथा श्रवण करने के किए बेहतर इंतजाम किए हैं, लेकिन इस बार भी रुद्राक्ष वितरण नहीं होने से कुबेरेश्वरधाम पर श्रद्धालुओं की आस्था घटती हुई नजर आई है।

प्रसाशन ने की बड़ी तैयारी

सीहोर रेलवे स्टेशन पर भले ही 11 ट्रेनों के स्टापेज बढ़ाए है, लेकिन वहां भी कम ही श्रद्धालु नजर आ रहे हैं। पूर्व में जहां पूरी ट्रेन खाली होती थी, वहीं अब सैकड़ों की संख्या में ही यात्री पहुंच रहे हैं। यह हाल बस स्टैंड के भी है।इतना ही नहीं राज्य हाईवे को डायवर्ट किया गया है, लेकिन यहां भी स्थिति सामान्य नजर आ रही है। पहले दिन 50 हजार से अधिक श्रद्धालु पहुंचे है। हालांकि प्रशासन ने 2 लाख श्रद्धालुओं को संभालने के इंतजाम किए थे।

रुद्राक्ष महोत्सव का आगाज

कुबेरेश्वर धाम में मंगलवार से रुद्राक्ष महोत्सव का आगाज हो गया है। यह

महोत्सव 3 मार्च तक चलेगा। इसके लिए श्री विठ्ठलेश सेवा समिति और प्रशासन ने इस आयोजन के लिए व्यापक स्तर पर तैयारियां की हैं।

महोत्सव को लेकर दो दिन पहले से ही श्रद्धालुओं का आना शुरू हो गया था, लेकिन इसके बाद पहले दिन आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या कम ही नजर आई।पंडाल और डोम में श्रद्धालुओं का डेरा

हालांकि सात दिन तक कथा सुनने वाले श्रद्धालुओं ने रविवार रात तक पंडाल और डोम में डेरा जमा लिया था। मंगलवार को कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा ने पंडाल की भोजनशाला में श्रद्धालुओं को नुक्ती, मिक्र, रोटी, सब्जी और खिचड़ी-चावल का प्रसाद वितरण किया।प्रसिद्ध भजन गायक देंगे

प्रस्तुति

महोत्सव में 27 फरवरी और 1 मार्च को प्रसिद्ध भजन गायक अपनी प्रस्तुति देंगे। महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ सहित अन्य राज्यों से 2 हजार से अधिक सेवादार व्यवस्था के लिए पहुंचे हैं। सुरक्षा व्यवस्था के लिए तीन हजार से अधिक पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं।चार लाख वर्ग फीट में पांच डोम और भव्य पंडाल आयोजन के लिए यहां चार लाख वर्ग फीट में पांच डोम और भव्य पंडाल बनाए गए हैं। शिवमहापुराण समारोह को लेकर ट्रैफिक पुलिस द्वारा पहले ही पार्किंग व्यवस्था और रूट डायवर्ट किया गया था।

भक्तों को किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए हजारों की संख्या में पुलिस के जवान दिन-रात अपनी सेवा दे रहे हैं। इसके अलावा जिला प्रशासन ने भी एक दर्जन से अधिक विभागों के आला अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी है।भगवान शिव पर भरोसा करना वह आपको कामयाबी दिलाएगा- पं प्रदीप मिश्राकथा के पहले दिन पंडित मिश्रा ने कहा कि भगवान शिव के अनेक गुण हैं, लेकिन शांत रहना, समदर्शी, विनम्रता और निम्रलता आदि गुणों को श्रद्धालु ले लें, तो शिव की प्राप्ति हो सकती है। आपके जीवन में जब भी असफलता और निराश आए, तो भगवान शिव पर भरोसा करना वह आपको कामयाबी दिलाएगा।भगवान शिव की आराधना करने वाला भक्त कभी दुखी नहीं रहता है। जीवन में कोई जीव अकेला नहीं, कभी खुद को अकेला महसूस न करें, शुभकर्म में किसी के साथ का इंतजार न करें। अकेले भी कर्म, धर्म करने का मौका मिलता है, तो इसे गंवाना मत। शिव की आराधना कोई भी कर सकता है।

सागर में महाकुंभ से लौट रही बस कंटेनर से भिड़ी, 35 यात्री घायल

सागर। सागर-दमोह मार्ग पर गढ़ाकोटा के पास महाकुंभ प्रयागराज से लौट रही यात्री और कंटेनर की आमने-सामने की भिड़ंत से 35 यात्री घायल हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को गढ़ाकोटा अस्पताल में भर्ती कराया।

पुलिस के मुताबिक बस प्रयागराज महाकुंभ से यात्री लेकर बैरसिया के लिए जा रही थी। तभी रास्ते में सागर-दमोह मार्ग पर स्थित बरखेड़ा गौतम तिराहे के पास सामने से आ रहे कंटेनर से बस की भिड़ंत हो गई।बस में 70 यात्री थे सवार हादसे के समय बस में 70 यात्री सवार थे। इसमें से करीब 35 यात्री घायल हुए हैं। घायलों में 6 यात्रियों को गंभीर चोटें आई हैं। बस में सवार यात्री घायल हुए हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया है। सभी यात्री खतरे से बाहर बताए जा रहे हैं।

गढ़ाकोटा थाना प्रभारी रजनीकांत दुबे ने बताया कि बरखेड़ा गौतम तिराहे के पास यात्री बस और कंटेनर में आमने-सामने की भिड़ंत हुई है। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कंटेनर को जब्त किया है। वहीं ड्राइवर को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

महाकुंभ में डुबकी नहीं लगा सके, तो चिंता की बात नहीं, टैंकर से आ रहा त्रिवेणी का पवित्र जल, एमपी में यहां घर-घर बंटेगा

वालियर। ग्वालियर विधानसभा क्षेत्र से भी हजारों की संख्या में श्रद्धालु कुंभ स्नान कर पुण्य अर्जित कर चुके हैं और बहुत से श्रद्धालु ऐसे है, जो किसी कारणवश इस महाकुंभ में श्रद्धा की डुबकी लगाने से वंचित हैं। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने खासतौर पर बुजुर्ग और दिव्यांगों के लिए अनूठी पहल की है।

ऊर्जा मंत्री ने संगम के पवित्र जल को लोगों के घरों तक पहुंचाने की बीड़ा उठाया है। उन्होंने पवित्र जल को टैंकर के जरिए मंगाया गया है। गंगा की पवित्र त्रिवेणी का पवित्र जल घर-घर पहुंचाया जाएगा। त्रिवेणी का पवित्र जल प्रयागराज से विधिवत पूजा अर्चना के बाद ग्वालियर के लिए रवाना किया गया है। तोमर ने बताया कि वह खुद और उनकी पार्टी के कार्यकर्ता इस पवित्र गंगाजल को ढाई सौ मिलीलीटर मात्रा में लोगों को उनके घरों तक पहुंचाएंगे।

ट्रेनों में महाकुंभ के अंतिम स्नान की भीड़, यात्रियों से खचाखच भरे कोचइस बीच, ग्वालियर से ही खबर है कि महाशिवरात्रि पर महाकुंभ में डुबकी लगाने के लिए अब ट्रेनों में यात्रियों की भीड़ लगातार बढ़ रही है। सोमवार को भी स्टेशन पर कुंभ जाने वाले यात्रियों का जमावड़ा नजर आया।

रेलवे ने दो स्पेशल ट्रेनों का संचालन कर इन यात्रियों को रवाना किया। ट्रेन के हर कोच यात्रियों की भीड़ से खचाखच भरे हुए थे। इस दौरान आरपीएफ के जवानों ने होल्डिंग एरिया बनाकर लाइन में यात्रियों को प्लेटफार्म पर प्रवेश दिया।

इसके अलावा कई यात्री ग्वालियर से झांसी के लिए रवाना हुए, क्योंकि झांसी से ज्यादा स्पेशल ट्रेनें प्रयागराज के लिए जा रही हैं। महाकुंभ के अंतिम शाही स्नान में केवल दो दिन शेष हैं। महाशिवरात्रि के स्नान के साथ ही कुंभ का समापन हो जाएगा।

ट्रेनों के स्लीपर से लेकर एसी कोच तक फुल नजर आ रहे हैं। श्रद्धालुओं की संख्या में कोई कमी नहीं आ रही है। ग्वालियर से झांसी जाने वाली कई ट्रेनों में तो यात्रियों की खासी भीड़ देखने को मिली। स्लीपर और जनरल कोच में यात्री खचाखच भरे हुए थे।

भीड़ के चलते लोगों को टॉयलेट में खड़े होकर यात्रा करने को मजबूर होना पड़ा, क्योंकि ग्वालियर से रेलवे ने सिर्फ दो स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया है।

झेलम एक्सप्रेस रही रद, आज पुणे से नहीं आएगीमहाकुंभ की विशेष ट्रेनों के कारण लंबी दूरी की ट्रेनों का संचालन खासा प्रभावित हो रहा है। सोमवार को जम्मू से पुणे जाने वाली झेलम एक्सप्रेस को रेलवे ने रद कर दिया। वहीं मंगलवार को पुणे से जम्मूतवी जाने वाली झेलम एक्सप्रेस भी रद रहेगी।

उधर बुंदेलखंड एक्सप्रेस भी घंटों की देरी से चल रही है। जिस ट्रेन को रात में ग्वालियर से प्रयागराज होते हुए बनारस के लिए रवाना होना है, वह ट्रेन अगले दिन सुबह जा पा रही है।

सार्थक एप से उपस्थिति अनिवार्य, अन्यथा कटेगा प्रोफेसरों का वेतन

भोपाल। प्रदेश के सरकारी कालेजों में कार्यरत अधिकारी, कर्मचारी और अतिथि विद्वानों की सार्थक एप से उपस्थिति पिछले साल जुलाई से ही अनिवार्य की गई है। इसके बावजूद उपस्थिति आनलाइन दर्ज नहीं हो रही है। हालांकि उच्च शिक्षा विभाग आनलाइन उपस्थिति के लिए लगातार कवायद कर रहा है।

अभी भी सिर्फ 60 फीसद उपस्थिति एप के माध्यम से लगाई जा रही है। इसे देखते हुए उच्च शिक्षा विभाग ने फिर से सभी क्षेत्रीय संचालकों को पत्र जारी करते हुए निर्देश दिए हैं कि एक मार्च से सबकी उपस्थिति सार्थक एप से ही मान्य की जाएगी। वेतन का भुगतान रोक दिया जाएगा

इसमें गैरहाजिर होने पर वेतन का भुगतान रोक दिया जाएगा। साथ ही कार्रवाई भी की जाएगी। आदेशित में यह भी कहा गया है कि कालेजों के सभी अधिकारी/कर्मचारी/अतिथि विद्वान/आउटसोर्स एवं अन्य सभी की एक सूची बनाएं। सूची के अनुसार अधिकारी व कर्मचारी के लिए लागिन उनका ट्रेजरी एम्प्लाय कोड ही होना चाहिए। वहीं अतिथि विद्वानों के लिए लागिन आइडी उनका मोबाइल नंबर ही होना चाहिए। प्रदेश के सभी अतिरिक्त संचालकों को इस कार्य को पूर्ण करने के लिए 28 फरवरी तक का समय दिया गया है।

मध्यप्रदेश भारत के प्रगतिशील राज्यों में से एक

कृषि, पर्यटन, खनिज और फार्मास्युटिकल्स में है निवेश की असीम संभावनाएँ

इंदौर। मध्यप्रदेश भारत के प्रगतिशील राज्यों में से एक है। कृषि, पर्यटन, खनिज और फार्मास्युटिकल्स में है निवेश की असीम संभावनाएँ। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2025 के अंतर्गत सेशन ग्लोबल साउथ - रीजनल इन ट्रेड एंड इन्वेस्टमेंट को-ऑपरेशन में डेलीगेट्स ने यह विचार व्यक्त किये।

अध्यक्ष सीआईआई पश्चिमी क्षेत्र सुश्री स्वाति सालगांवकर ने कहा कि ग्लोबल साउथ देशों के साथ भारत आर्थिक, व्यापार और सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने के लिये लगातार कार्य कर रहा है। मध्यप्रदेश भी इन देशों के साथ सांस्कृतिक और व्यापारिक संबंध बढ़ाने के लिये अग्रणी भूमिका निभा रहा है। श्री दुष्यंत ठाकुर ने ग्लोबल डेवलपमेंट पैक्ट के बारे में जानकारी दी। सुश्री मार्टिन मायरे ने भी विचार व्यक्त किये।

दक्षिण अफ्रीका के फर्स्ट सेकेट्री पॉलिटिकल श्री खाटूटशेलो इ. थगवाना ने कहा कि भोपाल में आयोजित यह समिट निवेश के साथ संबंधों को समृद्ध करने में भी बहुत उपयोगी सिद्ध होगी। हम मिलकर कार्य करेंगे और निवेश के विभिन्न क्षेत्रों को एक्सप्लोर करेंगे। रवांडा की हाई कमिश्नर सुश्री जैकलिन मुकानगिरा ने कहा कि भोपाल की मेरी यह पहली यात्रा है। मैं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को शानदार आयोजन के लिये बधाई देती हूँ। उन्होंने कहा कि हमारे देश में भारत सबसे बड़ा इन्वेस्टर्स है। मध्यप्रदेश में ऐसे बहुत से क्षेत्र हैं जहाँ निवेश हो सकता है।

वेनेजुएला के मिनिस्टर काउंसलर श्री जुआन गोल्डनिक ने कहा कि मध्यप्रदेश इन्वेस्टमेंट के लिये बेहतर डेस्टिनेशन है। उन्होंने कहा कि यह समिट बिजनेस और निवेश के लिये उपयोगी सिद्ध होगी। यूएई के डायरेक्टर ऑफ यूएई इंडिया सीईपीए काउंसिल श्री अहमद मोहम्मद मुबारक अलज़नेबी ने कहा कि निवेश के विभिन्न पहलुओं पर दोनों देश कार्य कर रहे हैं।

मध्यप्रदेश की इन्वेस्टमेंट पॉलिसी निवेशकों के लिये है उपयोगी

वियतनाम के फर्स्ट सेक्रेटरी सुश्री हांग थियेन ने कहा कि मध्यप्रदेश की इन्वेस्टमेंट पॉलिसी निवेशकों के लिये बहुत उपयोगी है। मुझे पूरी उम्मीद है कि निवेशक इसका पूरा लाभ उठायेंगे। माली के श्री एम्बेसडर श्री फेलिक्स डिआलो, थाईलैंड के काउंसिल जनरल, मुंबई श्री डोनाविट पूलसाबट और मेक्सिको के ट्रेड कमिश्नर श्री डेनियल डेलगाडो ने भी मध्यप्रदेश की इन्वेस्टमेंट पॉलिसी की सराहना की। उन्होंने कहा कि निश्चित रूप से मध्यप्रदेश द्वारा किये जा रहे प्रयासों से इन्वेस्टमेंट बढ़ेगा। कृषि, माइनिंग और अधोसंरचना के क्षेत्र में बेहतर सहयोग की संभावनाएँ हैं। पनामा के सुश्री यानिट जेल दौरते गैरीबाल्डो ने कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में निवेश की संभावनाओं पर चर्चा करेंगे। फिजी के हाई कमिश्नर श्री जगन्नाथ सामी ने कहा कि भारत का ही ग्रांडसन (पोता) हूँ। भारत और फिजी के बीच में बहुत गहरे सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संबंध हैं। बुर्किनाफॉसो के राजदूत डॉ. डिजायर बोनिफेस सम ने कहा कि दोनों देशों के बीच नारियल, सोना, कृषि उत्पादों और निर्माण सामग्री के आयात-निर्यात बहुत पहले से हो रहा है। फार्मास्युटिकल के क्षेत्र में सहयोग हमारे देश के लिये उपयोगी होगा। मोरक्को के राजदूत श्री मोहम्मद मलिकी ने कहा कि हमारे देश में फास्फोरस का प्रचुर उत्पादन होता है। मध्यप्रदेश में विभिन्न उद्योगों में इसका उपयोग किया जा सकता है। नेपाल के राजदूत डॉ. शंकर प्रसाद शर्मा ने कहा कि नवकरणीय ऊर्जा, डिजिटल कनेक्टिविटी, ट्रेड और इन्वेस्टमेंट के क्षेत्र में मिलकर काम करेंगे। जिम्बाब्वे के वित्तीय मिनिस्टर ऑफ इंडस्ट्री एंड कॉमर्स श्री राज मोदी और जिम्बाब्वे की राजदूत सुश्री स्टेला नकोमो ने ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट निवेश की संभावनाओं को एक्सप्लोर करने के लिये बेहतर प्लेटफार्म है। एमपीआईडीसी के ईसीईओ श्री सुविध शाह ने सभी डेलीगेट्स के द्वारा दिये गये सुझावों का स्वागत करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश में निवेश का यही सही समय है। उन्होंने डेलीगेट्स की शंकाओं का समाधान भी किया। श्री रविकांत तिवारी ने कहा कि मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का विजन स्पष्ट है। उन्होंने जीआईएस के पहले आरआईसी कर प्रदेश के हर क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं को तलाशा। उन्होंने निवेश को बढ़ाने के लिये राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर रोड-शो किये।

मुख्यालय उप पंजीयक का दायित्व वरिष्ठ उप पंजीयक श्री प्रदीप निगम को

इंदौर। राज्य शासन के वाणिज्यिक कर विभाग के आदेश अनुपालन में इंदौर जिला मुख्यालय स्थित उप पंजीयक कार्यालय कलेक्टर कार्यालय मोती तबेला इन्दौर-1 के अंतर्गत मुख्यालय उप पंजीयक का दायित्व वरिष्ठ उप पंजीयक श्री प्रदीप निगम को सौंपा गया है। वरिष्ठ जिला पंजीयक श्री दीपक कुमार शर्मा ने बताया कि वरिष्ठ उप पंजीयक श्री प्रदीप निगम द्वारा भारतीय पंजीयन अधिनियम 1908 की धारा 30 (1) के अंतर्गत उप जिलों- डॉ. अम्बेडकर नगर (महू), सांवेर एवं देपालपुर के दस्तावेजों का पंजीयन किया जायेगा। श्री निगम मुख्यालय पर स्थित उप जिला इन्दौर-2, इन्दौर-3 एवं इन्दौर-4 के दस्तावेजों का पंजीयन नहीं कर सकेंगें। श्री निगम के अतिरिक्त अन्य कोई भी उप पंजीयक धारा 30 (1) के अंतर्गत पंजीयन कार्य नहीं करेंगें। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है।

फोटोयुक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण हेतु रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नियुक्त

इंदौर। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री आशीष सिंह द्वारा इंदौर की नगरीय निकाय क्षेत्र नगर परिषद गौतमपुरा के वार्ड क्रमांक 15 एवं नगर परिषद सांवेर के वार्ड क्रमांक-7 के निर्वाचन के संबंध में फोटोयुक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण हेतु रजिस्ट्रीकरण एवं सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं अपील अधिकारी की नियुक्ति की गई है।

जारी आदेशानुसार अपर कलेक्टर श्री राजेन्द्र सिंह रघुवंशी को अपील अधिकारी नियुक्त किया गया है। इसी प्रकार नगर परिषद गौतमपुरा के वार्ड क्रमांक-15 हेतु संयुक्त कलेक्टर श्री राकेश मोहन त्रिपाठी को रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं गौतमपुरा तहसीलदार श्री निर्भयसिंह पटेल को सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नियुक्त किया गया है। नगर परिषद सांवेर के वार्ड क्रमांक-7 हेतु संयुक्त कलेक्टर श्री घनश्याम धनगर रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं तहसीलदार सांवेर श्रीमती पूनम तोमर को सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी बनाया गया है। नियुक्त किये गये अपील, रजिस्ट्रीकरण एवं सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग भोपाल द्वारा दिए गये निर्देशों तथा फोटोयुक्त मतदाता सूची तैयार कराए जाने, मतदान केन्द्र की जांच/संशोधन आदि तथा निर्वाचन संबंधित समस्त कार्यों के दायित्व आवंटित नगर परिषद के क्षेत्र के लिये आवश्यक कार्यवाही पूर्ण करेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उद्योगपतियों से की वन-टू-वन चर्चा

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के पहले दिन सोमवार को विभिन्न उद्योगपतियों ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उद्योगपतियों से वन-टू-वन चर्चा की। पतंजलि समूह के आचार्य बालकृष्ण ने भेंट के दौरान मुख्यमंत्री से हेल्थ एवं वेलनेस क्षेत्र में निवेश के संदर्भ में चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव से भेंट करने वालों में इटली के कान्सूलेट जनरल श्री वॉलटर फेरेरा भी थे। ईजीट्रिप डॉट कॉम के सीईओ एवं कॉ-फाउण्डर श्री रिकांत पिटी ने भी भेंट की और पर्यटन क्षेत्र में निवेश संबंधी चर्चा की। टॉरेंट पॉवर के श्री जिगिश मेहता एवं श्री ओमप्रकाश नेनवाल ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव से मुलाकात कर मध्यप्रदेश में निवेश की इच्छा जताई।

आदित्य बिरला ग्रुप के प्रतिनिधि मण्डल ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव से मुलाकात कर मध्यप्रदेश में औद्योगिक संभावनाओं को तलाशने के लिये मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा किये जा रहे प्रयासों को सराहा। हिन्डालको कम्पनी के एमडी श्री सतीश पई, एमडी ग्रेसिम श्री एच.के. अग्रवाल, एसेल माईनिंग के एमडी श्री थॉमस चेरियन, अरविंद ग्रुप के डॉ. परम शाह एवं एनटीपीसी के चेयरमैन एवं एमडी श्री गुरदीप सिंह ने भी मुख्यमंत्री डॉ. यादव से वन-टू-वन चर्चा की। गोदरेज समूह के ग्रुप प्रेसीडेंट श्री राकेश स्वामी भी मुख्यमंत्री डॉ. यादव से मिले। उन्होंने रियल स्टेट और टाउनशिप क्षेत्र में समूह द्वारा किए जा रहे कार्य की जानकारी दी।

इंदौर जिले में समर्थन मूल्य पर गेहूँ खरीदी का कार्य 01 मार्च से होगा प्रारंभ

इंदौर। जिले में समर्थन मूल्य पर गेहूँ खरीदी के लिए की जा रही तैयारियां लगभग पूर्ण हो गई है। जिले में समर्थन मूल्य पर गेहूँ खरीदी का कार्य 01 मार्च से प्रारंभ होगा। गेहूँ खरीदी के लिए जिले में 91 केन्द्र बनाये गए हैं। समर्थन मूल्य पर गेहूँ विक्रय के लिए जिले के 20 हजार 955 किसानों ने अपना पंजीयन कराया है। जिले में इस वर्ष किसानों से 2600 रुपये प्रति क्विंटल की दर से समर्थन मूल्य पर गेहूँ खरीदा जायेगा। इसमें भारत सरकार की 150 रुपये तथा राज्य शासन की 175 रुपये प्रति क्विंटल की बोनस राशि शामिल है।

यह जानकारी आज यहां कलेक्टर कार्यालय में सम्पन्न हुई अंतर विभागीय समन्वय समिति तथा समय सीमा के पत्रों के निराकरण(टीएल) की बैठक में दी गई। बैठक में अपर कलेक्टर श्री गौरव बेनल, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन, इंदौर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आर.पी. अहिरवार, अपर कलेक्टर श्री रोशन राय, श्री राजेन्द्र रघुवंशी तथा श्रीमती निशा डामोर सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे। बैठक में अपर कलेक्टर श्री बेनल ने समय सीमा के पत्रों के निराकरण की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि आवेदकों की संतुष्टि के साथ उनका निराकरण किया जाए। उन्होंने समर्थन मूल्य पर गेहूँ खरीदी के लिए की जा रही तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि जिले में ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित की जाये जिससे किसानों को कोई परेशानी नहीं हो। खरीदी केन्द्रों पर किसानों के लिए सभी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध रहें। केन्द्रों पर तौल कांटा, बारदाना सहित सभी जरूरी व्यवस्थाएं भी रहें। किसानों को उनकी उपज का उसी दिन भुगतान हो जाये। यह सुनिश्चित किया जाए कि किसानों की उपज की तुलवाई उसी दिन कर ली जाये जिस दिन वह उपज लाये हैं।

एक दिवसीय विशाल रोजगार मेला 3 मार्च को

एक हजार से अधिक युवाओं को मिलेंगे नौकरी के अवसर

इंदौर। राज्य शासन की मंशा के अनुसार इंदौर जिले के बेरोजगार युवाओं को नौकरी देने के लिए रोजगार मेलों का आयोजन नियमित रूप से किया जा रहा है। इसी सिलसिले में 03 मार्च को इंदौर के ढँकनवाला कुआँ स्थित ग्रामीण हाट बाजार में विशाल रोजगार मेला (मेगा युवा संगम कार्यक्रम) आयोजित किया गया है। इस कार्यक्रम के माध्यम से जिले के एक हजार से अधिक युवाओं को निजी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कम्पनियों में नौकरी दिलवाई जायेगी। यह मेला जिला रोजगार कार्यालय, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था और जिला उद्योग केन्द्र इन्दौर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है।

उप संचालक रोजगार श्री पी.एस. मण्डलोई ने बताया कि उक्त रोजगार मेले में जहां एक ओर आवेदकों को नौकरी दिलवाई जायेगी साथ ऐसे आवेदक जो स्वयं का उद्योग, व्यवसाय लगाना चाहते है उन्हें मार्गदर्शन देने के साथ ही लोन की प्रक्रिया बताकर उनके लोन प्रकरण भी तैयार कराये जायेंगे। रोजगार मेले में कई प्रतिष्ठित कम्पनियां रिक्त 1000 पदों की पूर्ति हेतु प्रारम्भिक रूप से युवाओं का चयन करेंगी। चयनित युवाओं को आकर्षक वेतन भी प्राप्त होगा। उक्त मेले में 18 से 40 वर्ष तक के आवेदक शामिल हो सकते हैं। इनके पास आँठवी से लेकर स्नातकोत्तर किसी भी विषय में पास एवं तकनीकी योग्यता जैसे आईटीआई के प्रमाणपत्र होना चाहिए। रोजगार मेले में सम्मिलित होने वाले आवेदकों को अपनी समस्त शैक्षणिक योग्यता के प्रमाण पत्रों के साथ बायोडेटा की प्रतियों एवं अन्य प्रमाण पत्र जैसे - आधार कार्ड आदि के प्रमाणपत्रों की फोटो प्रतियों भी आवश्यक रूप से साथ लाना होगी।

मृत्युंजय महाकाल त्राहिमाम शरणागतः ,
जन्म मृत्यु जरा व्याधि पीड़ितो कर्म बंधनाह
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर प्रभु सभी को आरोग्यता प्रदान करें।

कलेक्टर श्री सिंह एवं एसपी श्री शर्मा ने श्री कालभैरव एवं श्री महाकाल मंदिर का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया

उज्जैन । मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के निर्देशानुसार उज्जैन जिला प्रशासन महाशिवरात्रि के पर्व पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए संपूर्ण रूप से तैयारी कर रहा है। इसी क्रम में कलेक्टर श्री

नीरज कुमार सिंह एवं पुलिस अधीक्षक श्री प्रदीप शर्मा सभी प्रमुख मंदिरों का सतत निरीक्षण कर श्रद्धालुओं के लिए की गई व्यवस्थाओं का जायजा ले रहे है। कलेक्टर श्री सिंह द्वारा मंगलवार दोपहर निरीक्षण के दौरान श्री कालभैरव मंदिर के सामने वाली पार्किंग को महाशिवरात्रि के पर्व पर पूर्णता बंद रखने के निर्देश काल भैरव मंदिर व्यवस्था प्रभारी डिप्टी कलेक्टर श्रीमती सरिता लाल को दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने मंदिर पर श्रद्धालुओं के लिए पर्याप्त छांव,पानी, शौचालय, श्रद्धालुओं के लिए व्यवस्थित दर्शन संचालन, पानी के टैंकर,अस्थाई

चिकित्सालय ,वृद्ध एवं दिव्यागजनों आदि व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

इसके पश्चात कलेक्टर श्री सिंह और एसपी श्री प्रदीप शर्मा ने श्री महाकाल मंदिर दर्शन व्यवस्था का जायजा लिया। कलेक्टर श्री सिंह ने श्रद्धालुओं के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं प्रकाश,पीए सिस्टम,प्रत्येक 100 मीटर पर पेयजल,पार्किंग ,मीडिया व्यवस्था ,जूता स्टैंड,पानी के टैंकर,अग्निशमन की व्यवस्था,इलेक्ट्रिक ऑडिट,श्रद्धालुओं के लिए तैयार मार्ग का निरीक्षण,कर्करराज पार्किंग पर व्यवस्था,200 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरे, सेंट्रलाइज्ड कंट्रोल रूम आदि व्यवस्थाओं के सुव्यवस्थित संचालन के निर्देश ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों को दिए।कलेक्टर श्री सिंह ने श्रद्धालुओं के लिए चिह्नित मार्ग पर पैदल चल कर भ्रमण किया। उन्होंने बताया कि श्रद्धालुओं के दर्शन 1 घंटे के अंदर होंगे।

निरीक्षण के दौरान एडीएम श्री प्रथम कौशिक,नगर निगम आयुक्त श्री आशीष पाठक,एडिशनल एसपी श्री नीतेश भार्गव, स्मार्ट सिटी सीईओ श्री संदीप शिवा आदि अधिकारी उपस्थित रहें।

रोज शाम पाँच से छ- बजे तक रखेंगे बिज़ली बंद

संस्था सरल काव्यांजलि ने मासिक गोष्ठी में किया प्रण

उज्जैन। हमारा अखिल विश्व गायत्री परिवार देवीय संगठन है। इसे हिमालय के ऋषियों का संरक्षण प्राप्त है तथा इसे भली चाह रखने वाले परिजनों के पुरुषार्थ से चलाया जा रहा है। शांतिकुंज हरिद्वार से संगठनात्मक रूप से भारत में 12 तथा नेपाल में 1कुल 13 झोन के माध्यम से गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है। लगभग सभी प्रकल्पों में मध्य प्रदेश झोन सदैव प्रथम रहता है।अधिकांश प्रकल्प मध्य प्रदेश से ही प्रारंभ किए गए हैं। इस महान उपलब्धि के लिए आप सभी परिजन बधाई के पात्र हैं, आप सभी का शांतिकुंज अभिनंदन करता है। यह उद्गार श्री जगदीश चंद्र कुल्मी समन्वयक मध्य प्रदेश झोन शांतिकुंज हरिद्वार ने गायत्री शक्तिपीठ उज्जैन पर ज्योति कलश रथ यात्रा संचालन कार्यशाला के अवसर पर प्रदेश भर से आए 250 से अधिक प्रतिनिधियों के बीच व्यक्त किए।

आपने शांतिकुंज हरिद्वार से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर बताया कि हमारे संगठन की इकाई मंडल है। जिनमें प्रज्ञा मंडल, महिला मंडल, युवा मंडल संस्कृति मंडल आते हैं । हमारा झोन 3814 मंडलों के साथ प्रदेश प्रथम स्थान पर है। वहीं हमारे मध्य प्रदेश झोन में 588 प्रज्ञा संस्थान है, तथा 22480 प्रज्ञा अभियान पाक्षिक समाचार पत्र आते हैं।

ज्योति कलश यात्रा संचालन की विधि व्यवस्थाएं बताते हुए प्रादेशिक समन्वयक भोपाल श्री राजेश पटेल जी ने बताया कि परिजनों का उत्साह वर्धन करते हुए रथ यात्रा को गांव-गांव तक ले जाना है। समाज के विभूतिवानों, जनप्रतिनिधियों , प्रतिभावानों संपन्न व्यक्तियों, पत्रकारों ,मीडिया प्रतिनिधियों ,कलाकारों तथा सामाजिक संगठनों को विशेष रूप से रथ यात्रा में आमंत्रित कर उनके सहयोग सहकार से काम करते हुए वंदनीय माताजी के संदेश को पहुंचना है।

देश के 13 झोनों में मध्य प्रदेश झोन सर्वोत्तम झोन का गौरव प्राप्त है- जगदीश कुल्मी

उज्जैन। हमारा अखिल विश्व गायत्री परिवार देवीय संगठन है। इसे हिमालय के ऋषियों का संरक्षण प्राप्त है तथा इसे भली चाह रखने वाले परिजनों के पुरुषार्थ से चलाया जा रहा है। शांतिकुंज हरिद्वार से संगठनात्मक रूप से भारत में 12 तथा नेपाल में 1कुल 13 झोन के माध्यम से गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है। लगभग सभी प्रकल्पों में मध्य प्रदेश झोन सदैव प्रथम रहता है।अधिकांश प्रकल्प मध्य प्रदेश से ही प्रारंभ किए गए हैं। इस महान उपलब्धि के लिए आप सभी परिजन बधाई के पात्र हैं, आप सभी का शांतिकुंज अभिनंदन करता है। यह उद्गार श्री जगदीश चंद्र कुल्मी समन्वयक मध्य प्रदेश झोन शांतिकुंज हरिद्वार ने गायत्री शक्तिपीठ उज्जैन पर ज्योति कलश रथ यात्रा संचालन कार्यशाला के अवसर पर प्रदेश भर से आए।

उज्जैन में सर्व हिंदू सर्व जैन सर्व बौद्ध समाज के लिए विशाल अखिल भारतीय प्रत्यक्ष परिचय सम्मेलन सफलता पूर्वक संपन्न

उज्जैन। सुशीला देवी फाउंडेशन द्वारा दिनांक 23 रविवार एवं 24 फरवरी 2025 सोमवार को उज्जैन के कालिदास अकादमी हॉल में सर्व हिंदू सर्व जैन सर्व बौद्ध समाज के 20 वर्ष से 38 वर्ष आयु के अविवाहित युवक युवतियों के रिश्तों के लिए एवं 35 वर्ष से 68 वर्ष के तलाकशुदा, विधवा एवं विधुर व्यक्तियों के रिश्तों के लिए एक विशाल अखिल भारतीय प्रत्यक्ष परिचय सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसमें मध्यप्रदेश, राजस्थान के साथ देश के अन्य राज्यों से भी विवाह के इच्छुक लोगों ने कार्यक्रम में उत्साह पूर्वक भाग लिया और मंच पर आकर प्रत्यक्ष परिचय दिया। सभी प्रतिभागियों ने सुशीला देवी फाउंडेशन द्वारा आयोजित परिचय सम्मेलन की बहुत प्रशंसा की। दो दिवसीय अखिल भारतीय स्तर के परिचय सम्मेलन में 41 समाजसेवियों का और 11 अति उच्च शिक्षित विद्यार्थियों का सम्मान समारोह भी आयोजित किया गया। दोनों दिन कार्यक्रम में देश के सुप्रसिद्ध सिंगर कुमार कैलाश और प्रसिद्ध भजन सिंगर संस्कृति सूर्यवंशी द्वारा बहुत ही शानदार गीतों की भजनों की प्रस्तुति दी गई, जिसको सभी उपस्थित लोगों द्वारा बहुत आनन्द लिया गया और बहुत ज्यादा सराहा गया। कार्यक्रम में सिंगर कुमार कैलाश, संचालक डॉक्टर सिमरन सूर्यवंशी, कोषाध्यक्ष सिद्धार्थ सूर्यवंशी, उपाध्यक्ष सुधांशु, सिंगर संस्कृति, प्रेम नारायण, समाजसेवी आशा और बड़ी संख्या में लोगों ने भाग ले कर आयोजन को सफल बनाने के अपनी भूमिका निभाई। संचालन डॉ. सिमरन सूर्यवंशी द्वारा किया गया और पंजीयन और अतिथियों के लिए कार्य में सिद्धार्थ सूर्यवंशी उपाध्यक्ष सुधांशु सूर्यवंशी और अन्य सभी प्रमुख समाजसेवियों द्वारा किया गया। सुशीला देवी फाउंडेशन द्वारा अगला प्रत्यक्ष परिचय सम्मेलन धार मध्य प्रदेश में बहुत बड़े पैमाने पर आयोजित किया जाएगा। ये जानकारी फाउंडेशन के अध्यक्ष सिंगर कुमार कैलाश ने दी।

मातृभाषा वह होती है, जिसके शब्द हम माँ के पेट में सुनते हैं - डॉ. वी के गुप्ता

उज्जैन। शासकीय कालिदास कन्या महाविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस का आयोजन किया गया। शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास एवं भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के तत्वधान में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि म प्र लोक सेवा आयोग परीक्षा नियंत्रक डॉ वी के गुप्ता थे। सारस्वत अतिथि उर्दू साहित्यकार डॉ. जफर महमूद एवं मुख्य वक्ता डॉ. नीरज सारवान थे।

मुख्य अतिथि डॉ. वी. के. गुप्ता ने अपनी उद्बोधन में कहा कि भाषा संस्कृति और सभ्यता को परिलक्षित करती है। आयोग की परीक्षा में भारतीय बोलियां को भी स्थान मिला है ।जिससे ग्रामीण परिवेश के विद्यार्थियों को लाभ मिला है। हमारे देश के विकास के मॉडल के पीछे भारतीय ज्ञान परंपरा का महत्वपूर्ण स्थान है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य डॉ. वंदना गुप्ता ने कहा कि हमारी भाषा वह नहीं हो सकती जिसके शब्द हमने शब्दकोष से चुने हों ।

श्री मेढ़ क्षत्रिय मारवाड़ी स्वर्णकार पंचायत न्यास उज्जैन ने दिया एसपी को ज्ञापन

उज्जैन। मंगलवार को श्री मेढ़ क्षत्रिय मारवाड़ी स्वर्णकार पंचायत न्यास उज्जैन द्वारा समाज अध्यक्ष अरविंद वर्मा के नेतृत्व में पुलिस कंट्रोल रूम पर पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा को ज्ञापन दिया।

समाज अध्यक्ष अरविन्द वर्मा ने पुलिस अधीक्षक से चर्चा में बताया कि समाज के कुछ बन्धुओ कैलाश सोनी सुनालिया एवं आकाश मायछ सोनी व इनकी पत्नियों द्वारा समाज को परेशान किया जा रहा है। इनके द्वारा लगातार समाज के कुछ समाजजनों की झूठी शिकायत थानों में की जा रही है जिसके कारण समाज के लोग भयभीत एवं डरे हुए हैं। लगातार थानों से उनके पास फोन आ रहे हैं। विगत 15 वर्षो से इनके द्वारा समाज को हानि पहुंचाई जा रही है साथ ही समाज की जमीन को भी हथियाना की कोशिश कर रहे हैं, सहित कई तरह की बातें पुलिस अधीक्षक को बताई। पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा ने भी जल्द से जल्द इस पर संज्ञान लेते हुए उचित कार्रवाई का भरोसा समाज जन को दिलाया। इस अवसर पर उपाध्यक्ष कृष्ण कुमार भवण, सचिव आनंदीलाल कुलथिया, कोषाध्यक्ष मोहन सारड़ीवाल, सहसचिव देवेंद्र रुगरेचा, प्रहलाद सोलीवाल, राधेश्याम जालु, उमाशंकर जांगलवा, गजेन्द्र बेवाल, राजेश सोनी, मोसुन विजय सोनी, आनंद सोनी, गोपाल जांगलवा, युवा अध्यक्ष आशीष सोनी, उपाध्यक्ष हरीश सोनी, राजेश मौसुण, चंद्रमोहन सोनी, बंटी सोनी, भूपेंद्र अग्रोया सहित समाज जन उपस्थित रहे।

महाराष्ट्र समाज वीर सावरकर पुण्यतिथी पर अर्पित करेगा पुष्पांजलि

श्रीराम मंदिर, योगीपुरा में मनेगा महाशिवरात्रि महोत्सव, होगा रुद्राभिषेक एवं महाआरती

उज्जैन। स्वातंत्र्यवीर सावरकर की पुण्यतिथी 26 फरवरी बुधवार को प्रातः 8.30 बजे वीर सावरकर चौराहा, दो तालाब, मुनि नगर पर महाराष्ट्र समाज उज्जयिनी द्वारा पुष्पाञ्जली अर्पित की जाएगी।

समाज प्रवक्ता संजय दिवटे ने बताया कि समारोह में मुख्य वक्ता ओम जैन पूर्व अध्यक्ष, म.प्र. राज्य फार्मेसी काउंसिल होंगे। वहीं 26 फरवरी को ही शाम 5 बजे श्रीराम मंदिर, योगीपुरा, हरसिद्धी मंदिर मार्ग पर महाशिवरात्रि महोत्सव में रूद्राभिषेक एवं महाआरती का आयोजन किया जाएगा। संयोजक संजय दिवटे, अध्यक्ष पंकज चांदोरकर, उपाध्यक्ष सदाशिव नायगांवकर, चिटणीस (सचिव) सुशील मुळे, सह-चिटणीस रविन्द्र मुळे, मिलिन्द पन्हाळकर, कोषाध्यक्ष जितेन्द्र आपटे, कार्यकारिणी सदस्य संजय दिवटे, संदीप विपट, अजीत काळकर, धनश्री काळे, प्रदीप जोग, विश्वास करहाडकर, मनोज कार्लेकर ने समस्त समाजजनों से वीर सावरकर प्रतिमा पर पुष्पांजलि एवं श्रीराम मंदिर में महाशिवरात्रि महोत्सव में पधारने का अनुरोध किया है।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com